अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 347 लखनऊ, रविवार, 06 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी का भाई नेहल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा व्यापारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के एक मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार अमेरिका के न्याय विभाग ने नेहल मोदी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारतीय एजेन्सियों केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)और प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर की गयी है। नेहल मोदी पर देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में नीरव मोदी से संबंधित सबूतों को छिपाने , गवाहों को धमकाने और पैसों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है। सूत्रों ने कहा कि अब नेहल मोदी के भारत प्रत्यर्पण की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ तालमेल किया जायेगा।

हेट स्पीच के मामले में अब्बास अंसारी की दरख्वास्त खारिज

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जिले की एक विशेष अदालत ने हेट स्पीच मामले में पूर्व विधायक अब्बास अंसारी की दोषसिद्धि के खिलाफ दरख्वास्त खारिज कर दी है। शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि हेट स्पीच के मामले में पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को 31 मई को स्थानीय न्यायालय ने दोषसिद्ध करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई थी। इस फैसले के खिलाफ अब्बास अंसारी ने अपर जिला जज/एमपी एमएलए कोर्ट में दोषसिद्धि के खिलाफ दरख्वास्त दाखिल की थी। इसके साथ ही जमानत को बरकरार रखने के अपील की गई थी। शनिवार को एमपी एमएलए कोर्ट जज राजीव कुमार वत्स ने हेट स्पीच के मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ अब्बास अंसारी की दरख्वास्त खारिज कर दिया है। हालांकि उनकी जमानत बरकरार रहेगी।

महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध अनुचित : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा के मामले में मारपीट की निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि देश की सभी भाषाओं का सम्मान होना चाहिए मगर हिन्दी भाषी लोगों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। श्री यादव ने शनिवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा का विरोध सही नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे राजनीतिक मुद्दा बना रही है जो गलत है। भाजपा की मंशा समाज में खाई पैदा कर राजनीतिक लाभ उठाना है।

यूपी में अवैध धर्मांतरण के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश

अवैध मतांतरण का सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 40 बैंक अकाउंट में विदेशों से करोड़ों की फंडिग के सबूत
- धर्मांतरण कराने के लिए एजेंटों को मिलती थी मोटी रकम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की टीम ने शनिवार को अवैध धर्मांतरण के मामले में गिरोह के मुख्य आरोपित जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा समेत चार लोगों गिरफ्तार किया है। उसके गैंग में शामिल लोग प्रेमजाल में फंसाकर लड़कियों का धर्मांतरण करा रहे थे। इसके लिए उन्हें मोटी रकम मिलती थी और 40 अकाउंट में विदेशों से करोड़ों की फंडिग की गई है। एडीजी एलओ अमिताभ यश ने बताया कि जिला बलरामपुर के रेहरा माफी का रहने वाला जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा अपने आप को हजरत जलालुद्दीन पीर बाबा के नाम से प्रचारित करता था। उसके द्वारा जिले में धर्मांतरण गिरोह चलाने की बात सामने आयी थी। एसटीएफ की जांच में पता चला कि जमालुददीन उर्फ छांगुर बाबा तीन-चार वर्षों से नवीन घनश्याम रोहरा निवासी मुंबई, नवीन की पत्नी नीतू नवीन रोहरा, पुत्री समाले नवीन रोहरा के साथ रहता है। तीनों व्यक्ति मूलरूप से सिंधी हैं। छांगुर शाह ने सभी का ब्रेनवाश कर इस्लाम धर्म स्वीकार कराया। इसके बाद तीनों ने अपने नाम जमालुद्दीन, नसरीन एवं सबीहा रख लिया था। छांगुर बाबा ने शिजर-ए-तैय्यबा नाम से एक पुस्तक भी छपवा रखी है, जिसके माध्यम से इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार करता है। लखनऊ की एक युवती ने अबू अंसारी के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी थी। उसने बताया कि अबू ने अपना अमित बताकर उसे प्रेम जाल में फंसाया। उसे लेकर छांगुर बाबा के पास ले गया, जहां नीतू उर्फ नसरीन, नवीन उर्फ जमालुददीन ने उसका ब्रेनवाश इस्लाम धर्म स्वीकार कराया। उसने अपना नाम अलीना अंसारी रख लिया। धर्मांतरण के लिए धनराशि तय थी। हिन्दू धर्म के ब्राहम्ण, सरदार अथवा क्षत्रिय की लड़की को इस्लाम स्वीकार कराने पर पन्द्रह से सोलह लाख रुपये। पिछड़ी जाति की लड़की के लिये दस से बारह लाख और अन्य जाति की लड़कियों को आठ से दस लाख रुपये निर्धारित की गई थी।

जांच के दौरान यह भी पता चला है कि गैंग के सदस्यों ने लगभग 40 बार इस्लामिक देशों में यात्रा की है। गैंग के सदस्यों ने खुद के नाम एवं अलग-अलग संस्थाओं के नाम से 40 से भी ज्यादा खाते खुलवाए थे। इनमे लगभग 100 करोड़ रुपये की धनराशि का लेन देन हुआ है ।

अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान यह भी पता चला है कि गैंग में शामिल प्रमुख सदस्य छांगुर बाबा, महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, एमेन रिजवी (कथित पत्रकार), सगीर, नीतू रोहरा आदि लोग ऐसे परिवार को तलाशते है जो असहाय हो। उन्हें पैसों का लालच देकर धर्मान्तरण कराते है। बात न मानने पर मुकदमा दर्ज कराने का दबाव भी देते हैं। एटीएस को यह भी जानकारी मिली है कि आजमगढ़ के थाना देवगांव में छांगुर बाबा के सहयोगियों, रिश्तेदारों के विरुद्ध अवैध धर्मांतरण के आरोप में मुकदमा दर्ज हैं।

इसी मंगलवार को विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने कथित पीर छागूर बाबा पर गंभीर आरोप लगाए थे। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने दावा किया था कि छांगूर बाबा ने हजारों हिंदुओं को फर्जी चमत्कारों, धन के लालच और डर का इस्तेमाल कर इस्लाम कबूल करवाया है। उसे अवैध फंडिंग होती है। पुलिस प्रशासन को 72 घंटे का अल्टीमेटम मिला था कि यदि छागूर पीर पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बलरामपुर सहित पूरे प्रदेश में चक्का जाम, तालाबंदी और उग्र आंदोलन करेंगे।

एडीजी एलओ बोले- एटीएस कर रही जांच

अवैध धर्मांतरण के मामले में मुख्य आरोपित पुरस्कार घोषित अभियुक्त जलालुद्दीन उर्फ छांगुर को गिरफ्तार कर लिया है। उसके तीन अन्य साथी भी गिरफ्तार किए गये हैं। उन्होंने बताया कि जलालुद्दीन धर्मांतरण का गैंग चलाता है। इसके गिरोह में शामिल लोग उसका पूरा सहयोग करते हैं। उसे विदेशों से फंडिंग होनें की सबुत मिले है। पूरे मामले की जांच एटीएस कर रही है।

भारत बना मेडिकल टूरिज़्म और फार्मा रिसर्च का वैश्विक केंद्र : ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत की चिकित्सा व्यवस्था आज विश्व में अपनी गुणवत्ता, सुलभता और विश्वसनीयता के कारण नई पहचान बना रही है। वे शनिवार को नई दिल्ली में इनोवेटिव फिजिशियन फोरम (आईपीएफ) द्वारा आयोजित 7वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईपीएफ मेडिकॉन-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा कि यह विज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और नैनो साइंस जैसे क्षेत्रों में हो रहे तीव्र विकास ने न केवल चिकित्सा अनुसंधान बल्कि उपचार की पद्धतियों को भी अधिक सटीक, प्रभावशाली और कुशल बना दिया है।ङ्क उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक दौर में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और शोध को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने भारत की चिकित्सा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह न केवल उच्च गुणवत्ता वाली है, बल्कि किफायती और सभी के लिए सुलभ भी है।

अर्जेन्टीना में भारतीय संस्कृति की झलक देख भावुक हुए मोदी

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स/नई दिल्ली। अर्जेंटीना में भारतीय समुदाय द्वारा किये गये स्वागत से भावविभोर हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश से हजारों किलोमीटर दूर भारतीय संस्कृति की झलक देखकर मन भावुक हो गया।

पांच देशों की यात्रा के तीसरे चरण में श्री मोदी शनिवार सुबह ब्यूनस आयर्स पहुंचे जहां बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोगों ने कथक और अन्य नृत्य शैलियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, सांस्कृतिक संपर्क के लिए दूरी कोई बाधा नहीं है! ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वास्तव में भावुक करने वाला है कि भारतीय समुदाय की बदौलत घर से हजारों किलोमीटर दूर भी भारत की भावना की झलक दिखायी दे रही है। प्रधानमंत्री की अर्जेंटीना यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाओं का पता लगाना है। वह अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा पर यहां आये हैं।

बीस साल बाद एक हुए ठाकरे बंधु

- संयुक्त रैली में उद्धव का दावा-हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं

एजेंसी

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) की संयुक्त रैली में उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि वे साथ रहने के लिए साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि हम दोनों ने उनकी इस्तेमाल करो और फेंको नीति का कड़वा अनुभव लिया, अब हम उन्हें राजनीति से बाहर फ़ेकेंगे। मुंबई के वर्ली डोम में आयोजित इस संयुक्त रैली में उद्धव ठाकरे ने मनसे के साथ यूबीटी के गठबंधन की घोषणा की।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि कई सालों बाद राज ठाकरे और वे एक साथ सार्वजनिक मंच पर मिले।

हम सभी ने उनकी उपलब्धियां देखी हैं। हर बार यह सवाल उठाया गया था कि क्या हम एक साथ आएंगे। अब हम साथ आए हैं, लोग हमें तोड़ने की कोशिश करेंगे। आरोप लगाया जा रहा है कि हमारा मिलन मराठी के लिए नहीं बल्कि नगर निगम के लिए है। हालांकि, हम सत्ता के लिए नहीं बल्कि मराठी के लिए साथ आए हैं। वे हमारे बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम मराठी भाषा की पालकी के कहार बनेंगे और मराठी भाषा को पालकी में बिठाएंगे। हम किसी दूसरी भाषा के खिलाफ नहीं लेकिन हम हिंदी की अनिवार्यता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री रहते हिंदी को अनिवार्य नहीं किया था। उद्धव ने कहा कि यदि आप मराठी लोगों के लिए न्याय की मांग करने वालों को गुंडे कहते हैं,तो हम गुंडे हैं।

उद्धव ठाकरे ने सवाल किया कि यदि आपको महाराष्ट्र में बालासाहेब ठाकरे का समर्थन नहीं होता तो क्या हमें हिंदुत्व सिखाने वाले सत्ता में होते? एकजुट होना जरूरी है जैसा कि हमने संयुक्त महाराष्ट्र समिति के दौरान किया था। उद्धव ठाकरे ने भाजपा के मराठी लोगों से भी एक साथ आने की अपील की। राज ठाकरे ने अपने भाषण में सत्तारूढ़ दल को कठोर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मराठी अभिमान में जरा भी कमी नहीं आई है। राज ठाकरे ने अपील करते हुए कहा कि मराठी एकता भविष्य में भी जारी रहनी चाहिए।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विवाद अब उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गया है। स्वयंसेवी संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' ने पुनरीक्षण से संबंधित भारत के चुनाव आयोग की ओर से 24 जून 2025 को जारी आदेश को मनमाना और संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों का उल्लंघन करने वाला करार देते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर करके चुनौती दी है।

अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर इस याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग इस आदेश से राज्य के लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। याचिका में दलील दी गई है कि चुनाव आयोग का यह आदेश संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के अलावा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 21ए के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। रिट याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग ने नवंबर 2025 में होने वाले बिहार विधान सभा चुनावों के आसपास राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण करने के लिए अनुचित और अव्यवहारिक समयसीमा जारी की है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि चुनाव आयोग ने अपने आदेश से मतदाता सूची में शामिल होने की जिम्मेदारी राज्य से नागरिकों पर डाल दी है। याचिका में दावा किया गया है कि आयोग के उक्त आदेश में बिहार की 2003 की मतदाता सूची में शामिल न होने वाले मतदाताओं को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए निर्दिष्ट नागरिकता दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है।वर्ष 2003 से बिहार में पांच आम चुनाव और पांच विधानसभा चुनाव हुए हैं, जिसमें मतदाता सूची में नामों को लगातार जोड़ा और हटाया गया है। याचिका में इसके अलावा, 29 अक्टूबर, 2024 और छह जनवरी, 2025 के बीच विशेष सारांश संशोधन पहले ही किया जा चुका है, जिसमें मृत्यु या अन्य कारणों से प्रवास और अयोग्य मतदाताओं जैसे मुद्दों का निपटारा किया गया था। इस तरह इतने कम समय में चुनावी राज्य बिहार में इस तरह के विशेष गहन पुनरीक्षण करने का कोई कारण नहीं है, जो लाखों मतदाताओं के वोट के अधिकार का उल्लंघन करता है।

याचिका में यह भी दलील दी गई है कि बिहार एक ऐसा राज्य है, जहां बड़ी संख्या में लोगों का पलायन होता है। ऐसे में यहां की एक बड़ी आबादी के पास जन्म प्रमाण पत्र या अपने माता-पिता से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं है।

याचिका में आशंका जतायी गयी है कि चुनाव आयोग के ताजा आदेश से राज्य के तीन करोड़ से अधिक लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और प्रवासी श्रमिक शामिल इसे प्रभावित होगें। याचिकाकर्ता ने अदालत से गुहार लगाते हुए कहा है कि चुनाव आयोग के जून में जारी उक्त आदेश को रद्द कर दिया जाए। यदि इसे रद्द नहीं किया गया तो मनमाने ढंग से और उचित प्रक्रिया अपनाये बिना लाखों लोगों को उनके मताधिकार से वंचित किया जा सकता है।

मेडिकल शिक्षा तंत्र में हुए महाघोटाले की जांच कराए सरकार : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में महाघोटाले का अरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के नेता इसमें शामिल हैं और उनके कई मोहरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। कांग्रेस महासचिव रणदीपसिंह सुरजेवाला ने आज यहां एक बयान में कहा कि देश में मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण और इन कालेजों को मान्यता देने की पूरी प्रक्रिया में हज़ारों करोड़ रुपए का घोटाला होने का खुलासा हुआ है। मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में हुए इस घोटाले के जरिए घूसखोरी से मेडिकल कॉलेज चलाने की अनुमति देने और इन कॉलेजों के माध्यम से मुन्नाभाई डॉक्टर बनाने वाली प्रक्रिया का खुलासा हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) ने इस मामले में स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष, कई मेडिकल कॉलेज और इसमें शामिल 36 मोहरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस प्राथमिकी में सुरेश सिंह भदोरिया भी शामिल हैं।

भारत में 40 लाख कर्मचारी और 80 लाख बोर्ड सदस्य सहकारी गतिविधियों से जुड़े हैं : शाह

- अमित शाह ने आणंद में त्रिभुवन सहकारिता विवि का शिलान्यास किया

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आणंद में त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय का शिलान्यास करते हुए कहा कि आने वाले समय में सहकारी गतिविधियों का विस्तार होना तय है। टैक्सी सेवा और बीमा सेवा जैसे क्षेत्रों में सहकारी मॉडल लागू करने की योजना के अंतर्गत इस विश्वविद्यालय से प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी, जो यहीं से प्राप्त हो सकेगा। केंद्र सरकार के मौजूदा बजट में इस विश्वविद्यालय की घोषणा के मात्र चार माह के भीतर यह महत्वाकांक्षी शैक्षणिक संस्थान कार्यान्वयन की दिशा में अग्रसर है। इसके शिलान्यास के मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना गरीब और ग्रामीण लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट, पांच जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले कुछ दिन लोगों को मानसून के कहर से सावधान रहना होगा। मौसम विभाग ने आगामी दिनों के लिए प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी करते हुए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट घोषित किए हैं। 6 जुलाई को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में बहुत भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट घोषित किया गया है। इसके साथ ही शिमला, मंडी, कांगड़ा, चम्बा और सिरमौर जिलों में अगले 24 घंटे के भीतर फ्लैश फ्लड का गंभीर खतरा जताया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 6 से 9 जुलाई तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में भारी बारिश के चलते अलर्ट जारी किए गए हैं। 6 जुलाई को लाहौल-स्पीति व किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी 7 जिलों -ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कुल्लू, शिमला और सोलन में ऑरेंज अलर्ट रहेगा।

योगी सरकार किसानों को बना रही ब्रांड एंबेसडर

- प्राकृतिक खेती को मिलेगी नई पहचान, किसानों को मिलेगा प्रचार-प्रसार का अवसर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योगी सरकार ने नई योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 200 प्राकृतिक-कृषि किसानों का चयन किया गया है, जिन्हें अब ब्रांड एंबेसडर के रूप में तैनात किया जाएगा। इस कदम का मकसद किसानों को जागरूक बनाना और प्राकृतिक खेती को एक नई पहचान देना है। इस योजना के तहत, किसानों को ट्रेनिंग-ऑफ-ट्रेनर्स (ट्टट्ठ) मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। पहले बैच के प्रशिक्षकों को तैयार किया जाएगा, जो आगे मंडल और जिला स्तर पर प्रशिक्षण देंगे। इससे आधुनिक तौर तरीकों का प्रसार तेजी से होगा और प्राकृतिक खेती को व्यापक रूप से अपनाया जाएगा।

राष्ट्रीय मिशन फॉर नेचुरल फार्मिंग के तहत लोकल नेचुरल फार्मिंग इंस्टिट्यूशन किसानों को प्रशिक्षित करने और उन्हें जागरूक बनाने में मदद करेगा। इससे प्राकृतिक खेती का आधार मजबूत होगा और किसान स्वावलंबी बनेंगे।

योगी सरकार ने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए एक विशेष योजना शुरू की है, जिसमें किसानों को प्रशिक्षण देकर उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा। इन किसानों को प्रचार-प्रशिक्षण के साथ-साथ विशिष्ट पहचान भी दी जाएगी। इससे न केवल किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा, बल्कि पूरी कृषि प्रणाली में बदलाव आएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रथम बैच के प्रशिक्षकों का कोर्स पूरा कराने के बाद इनकी जिला स्तरीय तैनाती का मानचित्र भी तैयार किया जा रहा है। ताकि हर जिले में प्रशिक्षित किसानों की संख्या और उनके कार्यक्षेत्र का स्पष्ट दिशा-निर्देश हो सके। इससे योजना का प्रभाव और कार्यान्वयन सुगम होगा। यह योजना किसानों के जीवन में बदलाव लाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को प्राकृतिक और जैविक खेती के क्षेत्र में एक नई दिशा देने का प्रयास है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

नई पहल: योगी सरकार किसानों को बना रही ब्रांड एंबेसडर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्राकृतिक खेती को मिलेगी नई पहचान, किसानों को मिलेगा प्रचार-प्रसार का अवसर
- नेचुरल फार्मिंग के लिए मदद करेगा लोकल इंस्टीट्यूशन
- प्राकृतिक कृषि को मिलेगी नई पहचान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योगी सरकार ने नई योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 200 प्राकृतिक-कृषि किसानों का चयन किया गया है, जिन्हें अब ब्रांड एंबेसडर के रूप में तैनात किया जाएगा। इस कदम का मकसद किसानों को जागरूक बनाना और प्राकृतिक खेती को एक नई पहचान देना है।

इस योजना के तहत, किसानों को ट्रेनिंग-ऑफ-ट्रेनर्स (ट्ट्ट) मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। पहले बैच के प्रशिक्षकों को तैयार किया जाएगा, जो आगे मंडल और जिला स्तर पर प्रशिक्षण देंगे। इससे आधुनिक तौर तरीकों का प्रसार तेजी से होगा और प्राकृतिक खेती को व्यापक रूप से अपनाया जाएगा।

राष्ट्रीय मिशन फॉर नेचुरल फार्मिंग के तहत लोकल नेचुरल फार्मिंग इंस्टिट्यूशन किसानों को प्रशिक्षित करने और उन्हें जागरूक बनाने में मदद करेगा। इससे प्राकृतिक खेती का आधार मजबूत होगा और किसान स्वावलंबी बनेंगे। योगी सरकार ने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए एक विशेष योजना शुरू की है, जिसमें किसानों को प्रशिक्षण देकर उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा। इन किसानों को प्रचार-प्रशिक्षण के साथ-साथ विशिष्ट पहचान भी दी जाएगी। इससे न केवल किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा, बल्कि पूरी कृषि प्रणाली में बदलाव आएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रथम बैच के प्रशिक्षकों का कोर्स पूरा कराने के बाद इनकी जिला स्तरीय तैनाती का मानचित्र भी तैयार किया जा रहा है। ताकि हर जिले में प्रशिक्षित किसानों की संख्या और उनके कार्यक्षेत्र का स्पष्ट दिशा-निर्देश हो सके। इससे योजना का प्रभाव और कार्यान्वयन सुगम होगा। यह योजना किसानों के जीवन में बदलाव लाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को प्राकृतिक और जैविक खेती के क्षेत्र में एक नई दिशा देने का प्रयास है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

लखनऊ के आम को दुबई में बेहद पसंद किया जा रहा : ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आम महोत्सव के टेक्निकल सेशन के उद्घाटन अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि लखनऊ के आम को दुबई में बेहद पसंद किया जा रहा है। विश्व स्तर पर हमारे यहां के आम ने अपनी पहचान बना ली है।

लखनऊ के लोग भी अपने यहां के मलिहाबादी आम को पसंद करते हैं। अपने यहां का दशहरी आम हर किसी के जुंबा पर मिठास छोड़ जाता है। इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को एक पौधा भेंट स्वरूप दिया। मौके पर मुकेश बहादुर सिंह, बी.एल. मीणा, प्रदीप सिंह बब्बू, दिनेश कुमार, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. सत्य प्रकाश, डी.पी. राम, प्रभात कुमार सहित उद्यान विभाग एवं कृषि विदेश विभागों के अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई को युवा शक्ति को मिलेगा नया मंच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में 15 जुलाई को पूरे प्रदेश में विश्व युवा कौशल दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इस कार्यक्रम की श्रृंखला में 12, 13 या 14 जुलाई को (जनपद की सुविधानुसार) रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय उद्योगों और कम्पनियों को आमंत्रित कर युवाओं को सीधी नियुक्ति का अवसर दिया जाएगा। रोजगार मेले की तैयारी के लिए जिलाधिकारी द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने बताया कि 15 जुलाई को आयोजित विश्व युवा कौशल दिवस के मुख्य कार्यक्रम में कौशल विकास की सफल कहानियां, प्रशिक्षण केंद्रों की प्रदर्शनी, प्रेरक संवाद सत्र और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल रहेंगी। जिले के सफल प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया जाएगा और उन्हें मंच पर अपनी कहानी साझा करने का अवसर मिलेगा। जनपद में स्थापित महत्वपूर्ण उद्योगों के प्रतिनिधियों का भी सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही, कार्यक्रम स्थल के बाहर प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें समस्त प्रशिक्षण प्रदाता हिस्सा लेंगे। प्रदर्शनी में वो उत्पाद रखे जाएंगे जो इन संस्थानों के छात्र या छात्राओं द्वारा निर्मित किए गए हों। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और उद्योग जगत से जुड़े लोगों की उपस्थिति रहेगी। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना है। इससे पूर्व जनपदों की सुविधा के अनुसार 12 से 14 जुलाई के मध्य किसी एक दिन रोजगार मेले का आयोजन भी किया जाएगा। रोजगार मेले में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई), राज्य की अन्य कौशल विकास योजनाओं और आईटीआई से प्रशिक्षित युवाओं को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। चयनित युवाओं की नियुक्ति का विवरण मिशन मुख्यालय को प्रेषित किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों द्वारा मेले का शुभारम्भ कराया जाएगा और नियुक्ति प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को नियुक्ति पत्र का वितरण कराया जाएगा। चुनिंदा (न्यूनतम 11) रोजगार पाने वालों को 15 जून को होने वाले कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा। रोजगार मेले की तिथियों का सभी माध्यमों से प्रचार प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवा इसका हिस्सा बनकर लाभ ले सकें। इन दोनों कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सभी जनपदों को व्यय के लिए 50 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं।

राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने घायल व्यापारियों को दिए एक-एक लाख के चेक

लखनऊ। अलीगढ़ के अतरौली में मीट ले जा रहे चार व्यापारियों अक़ील, अरबाज़, क़दीम एवं अक़ील की हरदुआगंज थाना क्षेत्र के पनैठी गांव के पास असामाजिक तत्वों ने बुरी तरह पिटाई की। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने शनिवार को इस घटना में घायल पीड़ित व्यापारियों से भेंट की और एक-एक लाख रूपये का चेक देकर उनकी मदद की। रामजी लाल सुमन ने घायल चेयरमैन आरिफ खान और अन्य लोगों का अलीगढ़ के जे.एन. मेडिकल कॉलेज पहुंच कर हाल-चाल लिया। राज्यसभा सांसद ने सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा आर्थिक मदद करने की मांग की। इस मौके पर पूर्व विधायक वीरेश यादव, ज़िलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर, ज़िला उपाध्यक्ष शान मियां, महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद घोषी, जिला उपाध्यक्ष एवं डॉक्टर बादशाह खान, जिला कोषाध्यक्ष राजेश यादव सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जापान के राजदूत ओनो ने किया बड़ा इमामबाड़ा का भ्रमण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने शनिवार को लखनऊ स्थित बड़ा इमामबाड़ा का भ्रमण किया। राजदूत ओनो केइची बड़ा इमामबाड़ा में घूमते हुए वहां की कलाकृतियों से बेहद प्रभावित हुए। बड़ा इमामबाड़ा की कलाकृतियां, इतिहास की जानकारी लेकर राजदूत ओनो केइची ने अपनी भावनाओं को एक्स पर साझा किया। जापान के राजदूत ओनो केइची ने सोशल मीडिया एक्स पर इमामबाड़ा के पर्यटन से जुड़ी अपनी तस्वीरों को डाला और कहा कि मैं इसकी वास्तुकला की चमक और जटिल शिल्प कौशल से बहुत प्रभावित हूं। जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

सफाई कर्मचारियों की गांव में उपस्थिति अनिवार्य करने की तैयारी: ओमप्रकाश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उप्र के पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारियों की गांव में उपस्थिति अनिवार्य करने की तैयारी हो रही है। जो सफाई कर्मचारी गांव तक नहीं जा रहे हैं, उन्हें गांव तक लेकर जाएगें। बहुत सारे अधिकारी भी गांव में ड्यूटी करने नहीं जा रहे है। जो कर्मचारी अधिकारी गांव तक नहीं जाएगें, उनके विरूद्ध कार्यवाही करेगें।

ओमप्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव और आरक्षण पर कहा कि नयी पंचायतों के गठन में कुछ गांवों में दिक्कत आ रही है। कुछ गांव नगर क्षेत्र में चले गये हैं। उन्हें ठीक किया जा रहा है। पंचायत चुनाव वर्ष 2026 में हो रहा है। उसके बाद जातीय जनगणना का विषय 2027 का है। पंचायत चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराया जाएगा। इसके पहले मुख्यमंत्री से मिलकर आरक्षण के विषय को उठाया गया है। पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक के बारे में उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की ओर से पंचायती राज विभाग में जो योजनाएं संचालित हैं, उन्हें जमीन तक उतारने के लिए समीक्षा की गयी है। प्रमुख सचिव एवं निदेशक के माध्यम से तमाम बिन्दुओं पर वार्ता हुई है। योजनाओं से जुड़े 70 प्रतिशत कार्यो को नीचले स्तर पर डीपीआरओ और अन्य अधिकारी के प्रयास से कराया गया है। इधर बीच सत्र में योजनाओं से जुड़े कार्यो में प्रगति ज्यादा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंचायती राज विभाग की ओर से गांव में चौपाल लगाकर महात्मा गांधी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच को जमीन तक उतारने के लिए हम लोग कटीबद्ध है। गांव गांव तक हर एक काम को पूरा करायेगें।

सपा कार्यकर्ता ने की ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी, आक्रोश व्याप्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जिले में मलिहाबाद निवासी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता रणदीप गुप्ता ने फ़ेसबुक पोस्ट पर ब्राह्मण समाज पर 'भारत के संविधान की क्या है पहचान, भंगी और ब्राह्मण एक समान' लिखकर अभद्र टिप्पणी किया है। इस मामले में मलिहाबाद समेत आसपास के ब्राह्मण समाज के लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। समाज के लोगों ने लखनऊ पुलिस के आईटी सेल से रणदीप गुप्ता के एकाउंट को ब्लाक कर कार्रवाई की मांग की है। युवा ब्राह्मण परिषद के संतोष बाजपेयी और गौरव बाजपेयी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का चरित्र ही ब्राह्मण विरोधी है। उनके कार्यकर्ताओं का चरित्र भी उसी तरह का है। रणदीप गुप्ता जो समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता है, उनके द्वारा शांत माहौल को बिगाड़ने की कोशिश करते हुए ब्राह्मण समाज पर जो टिप्पणी की गयी है, वो पूरी तरह से अशोभनीय है। रणदीप गुप्ता का फ़ेसबुक एकाउंट ब्लाक हो और उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

केन्या की महिला ने केजीएमयू में कम खर्च में कराया रीढ़ की हड्डी का सफल ऑपरेशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नैरोबी (केन्या) की रहने वाली 38 वर्षीय बेल्डिना मोरा न्याकुंडी ने किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ में सफल एंडोस्कोपिक विधि द्वारा डिस्क हटाने की सर्जरी कराई। यह अत्याधुनिक ऑपरेशन केजीएमयू के न्यूरो सर्जरी विभाग में केन्या से लगभग 50 गुना कम खर्च में की गई। केन्या में एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी की सामान्य कीमत लगभग 8 से 10 लाख रुपये होती है, जबकि केजीएमयू में यह केवल 20,000 से 30,000 रुपये में उपलब्ध है।

प्रो. क्षितिज श्रीवास्तव ने बताया कि बेल्डिना पिछले कई वर्षों से ख्र5-ट्ट1 इंटरवर्टेब्रल डिस्क हर्निएशन की समस्या से जूझ रही थीं। इस अवस्था में रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में स्थित डिस्क बाहर की ओर खिसक जाती है, जिससे तीव्र पीठ दर्द, पैरों में झनझनाहट और चलने-फिरने में परेशानी होती है। एंडोस्कोपिक विधि द्वारा डिस्क हटाने की प्रक्रिया में मरीज की पीठ पर केवल एक छोटा चीरा लगाया जाता है, जिसके माध्यम से विशेष कैमरा (एंडोस्कोप) और उपकरण रीढ़ की हड्डी तक पहुंचाए जाते हैं। इससे पारंपरिक सर्जरी की तुलना में रक्तस्राव कम होता है, दर्द न्यूनतम रहता है और रोगी जल्दी स्वस्थ हो जाता है। प्रो. क्षितिज ने बताया कि ऑपरेशन के कुछ घंटों बाद ही बेल्डिना चलने-फिरने लगीं और अगले ही दिन सामान्य गतिविधियों में भाग लेने लगीं। उन्होंने इलाज के अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि मैं वर्षों से असहनीय दर्द में थी। यहाँ जो उपचार और देखभाल मुझे मिली, वह अविश्वसनीय थी। अब मुझे जीवन में नया उत्साह और उम्मीद मिली है। आपरेशन टीम में न्यूरो सर्जन प्रो. क्षितिज श्रीवास्तव के अलावा डॉ. विष्णु वर्धन एवं डॉ. साहिल सम्मिलित थे। सर्जरी के दौरान एनेस्थीसिया (निश्चेतना) की ज़िम्मेदारी डॉ. मोनिका कोहली, उनके साथ डॉ. अहसान सिद्दीकी और डॉ. बृजेश प्रताप सिंह ने मिलकर पूरी प्रक्रिया को सफल बनाया। केजीएमयू के न्यूरो सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.के. ओझा ने बताया कि यह सफलता भारत के बढ़ते चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। बेल्डिना जैसी अंतरराष्ट्रीय मरीजों की संतुष्टि भारत को स्वास्थ्य सेवाओं का विश्वसनीय केंद्र बनाने में अग्रणी बना रही है।

जनता दर्शन के राजस्व संबंधी मामलों में नायब तहसीलदार देगें आख्या : अपर मुख्य सचिव

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपर मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने उत्तर प्रदेश में समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में राजस्व संबंधी मामलों के प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए आगे से नायब तहसीलदार या उससे ऊपर के अधिकारी ही जांच किया करेगें। नायब तहसीलदार की ओर से अभिलेखीय, स्थलीय स्थिति देखकर, शिकायतकर्ता को सुनकर अपने विवेकानुसार एवं कानून के अनुसार निस्तारण किए जाने के लिए आख्या दी जाएगी। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि नायब तहसीलदार के आख्या पर उप जिलाधिकारी निर्णय करेगें और गंभीरता से समाधान होने के बाद ही आख्या को पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। अभी तक देखा गया है कि राजस्व संबंधी प्रकरणों में लेखपाल स्तर पर जांच कर आख्या लगायी जाती रही है। इस प्रक्रिया से अधिकांश समस्याओं का निष्पक्षता और प्रभावी तरीके से निस्तारण नहीं हो पाता है। जिससे जनता दर्शन में आने वाले पीड़ित को पूरी तरह से राहत नहीं मिल पाती है।

सोनिया नित्यानंद ने किया 'फुट लैब' एवं 'वर्चुअल रियलिटी लैब' का अनावरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के पीएमआर, आरएएलसी (लिम्ब सेन्टर) विभाग केजीएमयू द्वारा नेशनल पीएमआर डे के उपलक्ष्य में शनिवार को विभाग में नेशनल पीएमआर डे मनाया गया। इस अवसर पर की कुलपति प्रोफ़ेसर सोनिया नित्यानंद ने विभाग की नवस्थापित फुट लैब एवं वर्चुअल रियलिटी लैब का अनावरण किया। इस अवसर पर कुलपति ने आश्वासन दिया कि पीएमआर विभाग में दिव्यांग मरीजों को अत्यधिक सुविधा देने हेतु नये-नये आधुनिक उपकरण स्थापित किये गये हैं तथा भविष्य में पीएमआर विभाग को दिव्यांग मरीजों की आधुनिक सुविधाओं हेतु और अधिक मार्डन उपकरण स्थापित करवाए जायेंगे। नेशनल पीएमआर डे के अवसर पर कुलपति ने दिव्यांग मरीजों के लिए स्थापित नये उपकरणों एवं नव स्थापित मशीनों को दिव्यांग मरीजों के चिकित्सा उपचार हेतु समर्पित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पीएमआर विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि पीएमआर दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोंगों को शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास के महत्व के बारे में जागरूक करना है ।यह दिन शारीरिक अक्षमताओं, बीमारियों या चोटों से पीड़ित लोगों के लिये कार्यक्षमता और स्वतंत्रता को बहाल करने में इस क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालता है। डा. दिलीप कुमार ने कहा फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहैबिलिटेशन जिसे फिजियाट्री भी कहा जाता है, एक चिकित्सा विशेषता है जो शारीरिक अक्षमताओं वाले व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने पर केन्द्रित है इसका उद्देश्य विभिन्न प्रकार की चिकित्सा कार्यात्मक सीमाओं वाले लोगों की मदद करना है। डा. रत्नेश कुमार,डा. वी एस गोगिया,डा. सुधीर मिश्रा, डा.गणेश यादव, डा. ओसामा नियाज, डा. संदीप गुप्त, डा. मोहित किशोर श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

यूपी की सभी गोशालाओं में गोपाल वन स्थापित करेगी योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश की सभी गोशालाओं में गोपाल वन स्थापित करेगी। विभाग की ओर से गोशाला में छायादार व चारा प्रजाति के पौध लगाने के निर्देश दिए गए हैं। गोपाल वन की स्थापना में मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की मुहिम से संत समाज व गोपालक भी जुड़ गए हैं।

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 6613 अस्थायी गोआश्रय स्थल, 387 वृहद गोसंरक्षण केंद्र, 305 कांजी हाउस तथा शहरी क्षेत्र में 303 कान्हा गोआश्रय स्थल सहित कुल 7608 गोआश्रय स्थल संचालित हैं। इन सभी स्थलों में गोपाल वन की स्थापना भी की जाएगी। पूरे वर्षकाल में यहां भी पौधरोपण किया जाएगा। साथ ही इसके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान रहेगा। सरकार ने इसके अतिरिक्त निजी गोपालकों से भी अनुरोध किया है कि वे भी पौधे लगाएं। भगवान श्रीकृष्ण को गोपाल कहा जाता है। वे गायों की देखभाल व पालन करते थे। गाय निस्वार्थ भाव से बहुत कुछ देती है। इसी उद्देश्य से योगी सरकार ने निर्णय लिया कि गोशाला परिसर में निवास कर रहे पशुओं को छाया व चारा उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिगत प्रत्येक गोशाला परिसर में गोपाल वन की स्थापना की जाए। महाभियान के तहत यह आदेश जारी किया गया है कि प्रभागों के अंतर्गत प्रत्येक गोशाला में गोपाल वन की स्थापना की जाए, जिसमें स्थल की उपलब्धता के अनुरूप छायादार व चारा प्रजातियों का रोपण किया जाए। गोपाल वन के सफलता-सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि गोसेवा आयोग ने भी पौधरोपण महाभियान में सहभागिता को लेकर तैयारी कर ली है। आयोग की तरफ से दो दिन पहले ऑनलाइन बैठक भी हुई है। सभी गोशालाओं में सहजन, पीपल, पाकड़, बरगद आदि के पौध लगाने पर जोर दिया गया है। छायादार पौध गोशाला में रहने वाले गोवंशों के लिए काफी कारगर साबित होंगे। 9 जुलाई को मुख्यमंत्री द्वारा पौधरोपण महाभियान-2025 प्रारंभ करने के बाद आयोग भी पूरे वर्षा काल में पौध लगाएगा और इनके संरक्षण पर जोर देगा।

लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया जाये: जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शनिवार को संडीला तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने लोगों की समस्याओं को सुना। तहसील परिसर पहुँचने पर सबसे पहले जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने परिसर में पौध रोपण किया। लोगों की समस्याओं को सुनते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया जाये। पैमाइश के प्रकरणों को समय सीमा के अंतर्गत निस्तारित कराया जाये। भूमि विवाद के मामले में राजस्व व पुलिस विभाग की टीम मौके पर जाकर तत्काल कार्रवाई करे। पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता में देरी न की जाये। रास्तों के विवाद में तत्काल कार्रवाई की जाये। थाकबंदी से सम्बंधित प्रकरणों को तेजी से निस्तारित कराया जाये ताकि भूमि विवाद का स्थाई समाधान हो सके। अंश निर्धारण व अविवादित वरासत के मामले में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। दुरुस्तीकरण में किसी भी प्रकार का विलम्ब न किया जाये।चकरोड पर अवैध कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाये। राजस्व वादों के निस्तारण में विलम्ब न किया जाये। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि ग्रामों में विवाद के मामले में टीम को तत्काल मौके पर भेजा जाये। समाधान दिवस के दौरान ही पात्रों को वृद्धावस्था पेंशनए विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन से आच्छादित कराया गया। पात्रों के राशन कार्ड बनवाये गए। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो के मौके पर ही राशन कार्ड बनवाये गए। राम सहेली नाम की एक महिला को निराश्रित महिला पेंशन योजना से आच्छादित कराया गया। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिलाया गया तथा दो बेटियों को बाल सेवा योजना से आच्छादित कराया गया। छंगा नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति का मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाया गया। एक दिव्यांग व्यक्ति को रोजगार के लिए दुकान संचालन योजना से आच्छादित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी को दिए। जन्म प्रमाण पत्र के एक मामले में जिलाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अनीता नाम की एक महिला की पेंशन बनवाने के निर्देश समाज कल्याण अधिकारी को दिए। सर्पदंश के एक प्रकरण में उन्होंने परिवार को दैवीय आपदा योजना से राहत राशि दिलानेए पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिलाने तथा दो बच्चों को बाल सेवा योजना से आच्छादित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अगले तहसील दिवस में समाज कल्याण विभागए दिव्यांग कल्याण विभागए प्रोबेशन विभागए पूर्ति विभाग व आयुष्मान कार्ड हेतु स्वास्थ्य विभाग परिसर में ही अपना कैम्प लगाएंगे।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अरुणिमा श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी संतोष कुमार सिंह, प्रभारी सीएमओ डॉ० धीरेन्द्र सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया शीतला माता मंदिर व रामलीला मैदान का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने आज संडीला में शीतला माता मंदिर में पर्यटन विभाग द्वारा कराया जाए रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि मंदिर के सरोवर की अच्छी तरह से साफ-सफाई कराई जाए। गौघाट की ढाल को ठीक कराया जाए। टूटी हुई फर्श को ठीक कराया जाये। उन्होंने यात्री प्रतीक्षालय, सार्वजनिक शौचालय, वाटर स्टैंड आदि का निरीक्षण किया तथा सम्पूर्ण कार्य ससमय कराने के निर्देश दिए। शीतला माता मंदिर के निरीक्षण के बाद उन्होंने रामलीला मैदान का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा रामलीला मैदान का अवशेष कार्य जल्द पूर्ण कर हैंडओवर दिया जाए। संपूर्ण कार्य में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी संडीला अरुणिमा श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी संतोष कुमार सिंह व पर्यटन विभाग के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, जिला गंगा समिति एवं नाग फाउंडेशन द्वारा आंबेडकर पार्क, सैय्यापूर्वा में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, प्रतिमा वर्मा एवं जिला परियोजना अधिकारी, अश्वनी कुमार मिश्रा ने उपस्थित युवाओं को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण पर विचार साझा किए। बताया कि आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर पर्यावरण तैयार करने के लिए वृक्ष बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर नींबू, आंवला, आम, अनार के पौधे लगाकर फलदार, और छायादार वृक्षों का महत्व भी समझाया गया। जिला युवा अधिकारी द्वारा स्थानीय निवासियों से अपील की गई कि समय समय पर पौधों में पानी देकर उनकी देखभाल करते रहे जिससे कुछ सालों में ही इन पौधों के पेड़ बन जाने पर बेहतर पर्यावरण और स्वस्थ जीवनशैली में सहायक होगा। बताया कि जुलाई माह में विभिन्न युवा मंडल सदस्यों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में पौधरोपण कराया जाएगा।

संविदा विद्युत कर्मियों को तीन माह से भुगतान न होने की स्थिति में परिवार भुखमरी की कगार पर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। 33/11 के० वी० विद्युत उपकेंद्र मल्लावां वि०वि० खंड मल्लावां जैसा के विदित है बिना वेतन के कोई भी कर्मचारी कार्य करने में असमर्थ रहता है दिन नहीं कइ माह बीत जाए और वेतन न मिले परिवार चलाना कितना मुश्किल होता है यह परिवार चलाने वाला मुखिया ही जानता है इसी क्रम में आज मल्लावां पावर हाउस में मल्लावा विद्युत कर्मियों ने और गोसवा स्थित विद्युत कर्मियों ने सामूहिक रूप से आर्थिक तंगी से गुजरने के कारण मल्लावां मे विद्युत उपकेंद्र पर जेई एहतिशाम अहमद को ज्ञापन देकर अवगत कराया की तीन माह से वेतन भुगतान न होने के कारण परिवार का भरण पोषण कर मुश्किल हो रहा है जिसके फ्लस्वरूप कर्मचारियों ने यह भी अवगत कराया कि अगर विद्युत कर्मियों को वेतन भुगतान इस माह नही हुआ तो कार्य बहिष्कार कर दिया जायेगा और परिवार को बचाने के लिए आंदोलन भी किया जाएगा। इस अवसर पर समस्त संविदा विद्युत कर्मी व जेई एहतेशाम अहमद अनुराग कनोजिया एसएसओ, धीरज मिश्रा, संतोष कुमार, राहुल वर्मा, सलीम कुलदीप, प्रमोद, राहुल राठौर, पवन कुमार, सतीश, महिपाल, सत्यम वर्मा, रिंकल कुमार, देवेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, जितेंद्र, निखिल कुमार अफ्सर, राज, दिलीप, पारस द्विवेदी, संदीप कुमार, एकेएसएसओ, सहित मल्लावां व गोसवा पावर हाउस के कर्मी मौजूद रहे।

पिकअप डाला से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिकअप डाला की टक्कर से घायल हुए युवक ने लखनऊ मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान मौत। थाना क्षेत्र के बिल्हौर कटरा मार्ग ग्राम तेरवा के सामने शुक्रवार को दोपहर लगभग 3 बजे पिकअप डाला ने बाइक को टक्कर मार दिया था। अनियंत्रित पिकअप डाला बाइक सहित सड़क किनारे खाई में चली गई। बाइक पर सवार राजेश कुमार (35) पुत्र नरेंद्र कुमार निवासी मोहिद्दीनपुर नई बस्ती मल्लावां गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल को हरदोई से लखनऊ मेडिकल कालेज ले गए जहां उसने देर रात दम तोड़ दिया। मृतक राजेश कुमार लखनऊ में बिल्डर का कार्य करता था। उसके शिवा पटेल व शुभ पटेल 11 वर्ष के दो जुड़वा बच्चे एवं पत्नी उर्मिला पटेल उर्फ प्रीति है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अभी तक दीपचंद्र पुत्र खेमकरन था अब हमने अपनी खतौनी के आधार पर अपना नाम बदलकर दीपू पुत्र खेमकरन कर दिया है। अब हमको इसी नाम से ही जाना जाए।

दीपू पुत्र खेमकरन
निवासी-ग्राम तेरिया भवानीपुर,
मल्लावाँ, जिला-हरदोई

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै कुंवर पाल सिंह पुत्र महेश सिंह, पताः- ग्राम खाड़ाखेड़ा, ब्लाक-अहिरोरी, थाना-टड़ियावाँ, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरे पुत्र हर्ष सिंह का विवाह वर्ष 2020 में अर्पिता सिंह उर्फ अंजलि सिंह पुत्री राजेश सिंह, निवासी महेन्द्र नगर बढ़ईनपुरवा निकट पिहानी चुंगी थाना कोतवाली देहात हरदोई के साथ सम्पन्न हुआ था। मेरे पुत्र हर्ष सिंह व पुत्रवधू अर्पिता सिंह उर्फ अंजलि सिंह का गलत आचरण और चाल-चलन के चलते मै अपने पूरे होशो हवास में अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बिना किसी जोर दबाव के अपनी और अपने परिवार की स्वेच्छा से बेदखल करता हूँ और अपने समस्त सम्बन्धों को समाप्त कर रहा हूँ। अब भविष्य में हर्ष सिंह व पुत्रवधू अर्पिता सिंह उर्फ अंजलि सिंह द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों का कोई सरोकार नहीं होगा, वह दोनों स्वयं ही जिम्मेदार होगे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री ठाकुर प्रसाद, पताः- ग्राम हन्नपसिगवाँ, ब्लाक व थाना पिहानी, तह0 शाहाबाद, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मैने वर्ष 2014-15, अनुक्रमांक-0600547 B.SC. Ag. की परीक्षा छत्रपति शाहूजी महाराज विद्यालय कानपुर से सम्बन्ध महाविद्यालय जनता कॉलेज बकेवर इटावा से उत्तीर्ण की है। उक्त पाठ्यक्रम की टी0सी0 प्रमाण-पत्र कहीं वास्तव में गायब हो गयी हे जिसकी द्वितीय प्रतिलिपि निकालना चाहता हूँ।

पुर्नप्राप्ति जन्मोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन किया गया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मंडी परिसर में पापुल गुप्ता के प्रतिष्ठान पर नन्द

गोपाल गुप्ता नंदी (कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) के पुर्नप्राप्ति जन्मोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन किया गया जिसमें वैश्य समाज उत्तर प्रदेश जनपद हरदोई के सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार रखे जिलाध्यक्ष विशाल सेठ ने बताया। पुर्नप्राप्ति जन्मोत्सव को बड़े धूम धाम से मनाने के लिए वैश्य समाज के लोग से अपनी अपनी भागीदारी करने के लिए ये कार्यक्रम बनाया है कि राम जानकी मंदिर से पूजन की शुरुआत कर, मंदिर मे केक काटकर, विशाल भंडारे का आयोजन और गौ पूजन करके गौ माता को हरा चारा गुड़ चोकर गौ माताओं की गौ सेवा की जाएगी। कार्यक्रम बनाये जाने की जानकारी दी वैश्य समाज उत्तर प्रदेश जनपद हरदोई में संगठन के विस्तार में महिला सभा की महिला जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता लवी, युवा जिला महामंत्री हिमांशु राज गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष देवेश गुप्ता बंटू, जिला संगठन मंत्री प्रमोद कुमार गुप्ता, जिला मंत्री राहुल गुप्ता और बेहटागोकुल ग्राम सभा अध्यक्ष संजीव कुमार गुप्ता को मनोनयन पत्र देकर संगठन को मजबूत करने के लिए शुभकामनायें दी।

जिला कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। वैश्य समाज एक जुट होकर भागीदार बने। युवा अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता लवी ने बताया में अपने पिता स्व वेदप्रकाश गुप्ता (गल्ला मंडी अध्यक्ष) रहे उन्ही के पद चिन्हों पर चल कर जो मुझे वैश्य समाज की जिम्मेदारी मिली है उसे हर स्तर से बढ़ चढ़ कर वैश्य समाज में काम करेंगे महिला जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता ने उन्होंने बताया सन 2012 बम विस्फोट हुआ था जिसमें उनका बहुत बुरा हाल था। शंकर जी कृपा से 12 जुलाई को दोबारा जन्म हुआ इसीलिए पूरे उत्तर प्रदेश के हर जिले में पुर्नप्राप्ति जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से हरिद्वारीगुप्ता, उमेश गुप्ता, अनूप गुप्ता, संदीप गुप्ता, राजीव गुप्ता, छैयलु गुप्ता, पापुल गुप्ता, राहुल गुप्ता, आनंद गुप्ता, मीडिया प्रभारी अश्वनी गुप्ता आशु,अनूप गुप्ता, पंकज गुप्ता, अनिमेष गुप्ता, जीतू गुप्ता गोविंद गुप्ता, संचित गुप्ता व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कालेज के खेल मैदान पर अतिक्रमण की शिकायत मुख्यमंत्री से की

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। श्री नरपति सिंह इंटर कालेज के खेल मैदान पर अवैध रूप से गिट्टी, मौरंग आदि समान डाल दिया है, जिससे खेलने वाले बच्चों को दिक्कते होने की शिकायत युवक ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर की है। कस्बे के मोहल्ला किदवई नगर निवासी शिवकांत मिश्र ने भेजे शिकायती पत्र में कहा कि कॉलेज का खेल मैदान थाने के आवास के सामने स्थित है। उसी मैदान पर किसी व्यक्ति ने गिट्टी, मौरंग आदि समान का अवैध रूप से भंडारण कर रखा है, जिसके चलते मैदान में खेलने वाले बच्चों को कठिनाई होती है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान घायल

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। खेत जा रहे किसान को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। परिजन सीएचसी ले गए। थाना क्षेत्र के बिल्हौर कटरा मार्ग पर गांव शेखनपुर निवासी रामखेलावन (55) पुत्र बल्लू साइकिल से खेत की खड़ी फसल को देखने के लिए शनिवार की दोपहर साइकिल से जा रहा था गांव के सामने अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया गांव वालों ने सीएचसी भेजा जहां डॉक्टर ने उसे हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

विधवा महिला से की गयी मारपीट में दर्ज हुआ मुकदमा

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अदालत के आदेश पर पुलिस ने चार लोगो के विरुद्ध विधवा महिला उसके भाई के साथ मारपीट करने के आरोप मे रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव बिराईचमऊ निवासी रूमी पत्नी स्व हसीब ने अदालत को शिकायती पत्र दिया है। जिसमे महिला ने बताया कि उसके पति का निधन हो चुका है। जेठ भूरा उसपर बुरी नजर रखता है। बुरी नियत से कई बार मौका पाकर घर मे घुस चुका है। जेठ घर से निकाल कर जमीन और मकान पर कब्जा करने की धमकी दे रहा है।11 मई की दोपहर करीब 2 बजे जेठ भूरा, वसीम, साबान व कन्नौज जनपद के गांव सैदपुर सकरी निवासी राजू घर मे घुसकर गाली गलौज करने लगे। जिसपर उसने मना किया तो आरोपी मारने पीटने लगे यह देखकर उसका भाई कासिम बचाने लगा तो उसको भी मारपीट कर घायल कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया कि कोतवाली पुलिस को तहरीर देने पर दोनों का सीएचसी पर मेडिकल परीक्षण करा दिया। लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नही की। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए। थाना अध्यक्ष बालेन्द्र मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जाँच की जा रही है।

लखनऊ चुंगी पर नरसिंह भगवान की मूर्ति लगाने के लिए शासन को भेजी गई रिपोर्ट

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सामाजिक संस्था प्रहलाद नगरी जन कल्याण समिति के अध्यक्ष शिवम द्विवेदी ने उत्तर प्रदेश शासन को पत्र लिखकर हरदोई नगर स्थित लखनऊ चुंगी पर नरसिंह भगवान की मूर्ति स्थापना लगवाने के साथ लखनऊ चुंगी को नरसिंह चौराहा घोषित करने की मांग की थी। शासन से मांगी गई रिपोर्ट में जिलाधिकारी अनुनय झा ने जांच आख्या शासन को भेजी है।

पौधारोपण एक पुनीत कार्य है: नितिन अग्रवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पौधारोपण एक पुनीत कार्य है सभी को अपने जीवन में कम से कम पांच पौधे अवश्य रोपित कर उसका संरक्षण करना चाहिए।

उक्त उद्गार आबकारी एवं मद्य निषेध राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवा समिति एवं संकल्प 1000 द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वृक्ष भंडारे के शुभारंभ के अवसर पर कही। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती वर्मा ने दीप प्रज्वलन एवं तुलसी पूजन कर किया। आचार्यों द्वारा तुलसी पूजन कर चुनरी पहनाई गई तथा शंख नाद कर वातावरण को जय श्री राम के नारो से गुंजायमान किया गया। कार्यक्रम आयोजक सुहाना जैन ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण अति आवश्यक है। प्रकृति से हमे सभी चीजे मिलती है हमें भी प्रकृति के संरक्षण का प्रयास करना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि धरती की हरियाली आवश्यक है, इसके लिए सभी को प्रयास करने होंगे, उन्होंने सभी को प्रधानमंत्री मोदी की पहल एक पेड़ मां नाम को ऐतिहासिक बताते हुए सभी से पौधारोपण की अपील की। संकल्प के संस्थापक श्यामजी गुप्ता ने बताया कि टीम द्वारा पौधारोपण और उसके संरक्षण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। टीम का यह बाइसवां वृक्ष भंडारा है और यह क्रम निरंतर चलता रहेगा। वृक्ष भंडारे में आम, जामुन, पकरी, सहजन, अमरूद, सागौन आंवला, नींबू, गोल्डमोहर सहित अनेक छायादार और फलदार पौधों का वितरण किया गया। सभी से पौधों के संरक्षण की शपथ का संकल्प पत्र भी भरवाया गया। राहगीरों ने इस पहल को अनूठा बताते हुए इसकी सराहना की।

ग्राम पंचायतों के विकास कार्यो में होनी चाहिए मधुर प्रतिस्पर्धा: रजनी तिवारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री शनिवार को ब्लॉक शाहाबाद पहुंची। इस दौरान फूल.मलाओं से क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने गर्म जोशी के साथ राज्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। मंत्री ने क्षेत्र पंचायत द्वारा इस वित्तीय वर्ष में कराए गए 26 विकास कार्यो का लोकार्पण किया गया। इसके बाद उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में मधुर प्रतिस्पर्धा होनी चाहिएएअच्छी सोंच अच्छी नियत के साथ विकास कार्य करें ताकि ग्राम पंचायतों को बेहतर बनाया जा सके। ज़ब हम चाहते हैंए हमारा घर बहुत अच्छा होएहमारा कमरा बहुत अच्छा होएतो हम यह क्यों नही चाहते हमारी ग्राम पंचायत भी बहुत अच्छी होनी चाहिए, इस भाव के साथ ग्राम पंचायतों के बेहतर विकास के लिए कार्य करें। राज्यमंत्री ने यह भी कहा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के अंतर्गत सरकार ने अनुदान राशि 50 हजार से बढ़कर एक लाख कर दी हैंए ग्राम पंचायतों में चिन्हित कर बेटियों को इसका लाभ दिलाने में सहयोग करें। अंत में राज्यमंत्री ने संचारी रोग रोकथाम के अंतर्गत ग्राम पंचायत परियल को फ़ागिंग मशीन का वितरण किया तथा ग्राम पंचायतों को फागिंग मशीन बितरण के निर्देश दिये। ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा ने अपने सम्बोधन राज्यमंत्री रजनी तिवारी के 2027 में तीसरी बार जीत कर हैट्रिक लगाने के साथ केबिनेट मंत्री बनने की कामना कीए इस दौरान उनके जन्मदिवस पर राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने केक काटा। बहीं बीडीओ शाहाबाद ने ग्राम पंचायतों के बेहतर विकास के हर सम्भव सहयोग की बात कही। उन्होंने बताया संचारी रोग रोकथाम के लिए काम करें, संभावित बाढ़ग्रस्त 36 गावों में पहले से ही रणनीति तैयार कर लें। क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक के उपरांत राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने एक पेड़ मां के नाम पर ब्लॉक परिसर में नीम का पेड़ लगाकर पर्यावरण स्वच्छता का सन्देश दिया। ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा ने भी जन्मदिवस पर ब्लॉक परिसर में वृक्षारोपण किया। क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में मंच का संचालन एडीओ पंचायत जितेंद्र सिंह तोमर ने किया।

कार्यक्रम में दिनेश चंद्र शर्मा खंड विकास अधिकारी, क्षेत्रीय वन रेंज अधिकारी अलोक शर्मा, रंजीत सिंह अध्यक्ष केन ग्रोबर्स सोसाइटी हरदोई, जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत, मनोज मिश्रा जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, गोविंद पाठक, सर्वेश कुमार सिंह, अर्जुन राजपूत बीडीसी, संजीव गौतम बीडीसी, कुंदन सिंह बीडीसी, अवध बिहारी मिश्र बीडीसी सवित सिंह सहित समस्त बीडीसी सदस्य, ग्राम प्रधान व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जुलूस शांति पूर्वक हुआ संपन्न

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गोपामऊ नगर के मोहल्ला सैय्यदबाड़ा स्थित इमामबाड़े से हर साल की तरह इस बार भी आठवीं मोहर्रम का दो दिवसीय तख्त और दुल्दुल का जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। तख्त पर लोगों ने अपनी मन्नतों के अनुसार चादर और शिरीनी पेश कीए दुल्दुल को रोटी का मलीदा जलेबी खिलाई गई। जुलूस पूरे नगर में भ्रमण करता हुआ तयशुदा मार्गों से गुजरा जगह-जगह अकीदतमंदों ने इस्तकबाल किया। आयोजक बन्ने खां, राशिद खां, ने बताया कि यह परम्परागत जुलूस सौ वर्ष पूर्व से निकलता चला आ रहा है मरहूम याबर मियाँ भी इसके आयोजक रहे। अकीदत मन्दो ने कह कि तख्त हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद दिलाता है और दुल्दुल को उनके घोड़े (जु़ल्जनाह) की निशानी के रूप मानते है। जुलूस में बच्चे, बुज़ुर्ग और नौजवान शामिल रहे। माहौल आस्था से भरा रहा। जुलूस

के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था एवं नगर पंचायत की ओर से सफ़ाई व्यवस्था की गई। अमन और शांति बनी रही इस मौके पर इस्तेखार खा सहित दीगर अकीदतमंद मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै ओम प्रकाश शुक्ला पुत्र स्व0 शांति स्वरूप, पताः- मोहल्ल चन्दीपुरवा थाना कोतवाली शहर, तहसील व जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरे पुत्र मेरे पुत्र शिवाकान्त शुक्ला ने अपनी मर्जी से मानसी गुप्ता के साथ शादी कर ली है। मेरे पुत्र शिवाकान्त शुक्ला शराबी है जो आए दिन शराब पीकर मुझे व परिवार के अन्य सदस्यों काके गाली गलौज व मारपीट कर जानमाल की धमकी देता रहा है तथा उसके इस कृत्य में शिवाकान्त शुक्ला की पत्नी मानसी गुप्ता पूर्ण सहयोग करती है। मेरे पुत्र शिवाकान्त शुक्ला व पुत्रवधू मानसी गुप्ता का गलत आचरण और चाल-चलन के चलते मै अपने पूरे होशो हवास में अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बिना किसी जोर दबाव के अपनी और अपने परिवार की स्वेच्छा से बेदखल करता हूँ और अपने समस्त सम्बन्धों को समाप्त कर रहा हूँ। अब भविष्य में शिवाकान्त शुक्ला व पुत्रवधू मानसी गुप्ता द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों का कोई सरोकार नहीं होगा, वह दोनों स्वयं ही जिम्मेदार होगे।

कैब नियमन मानक

समय की जरूरत और नई पीढ़ी के रुझान के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में देश में कैब सेवाओं का आधार व्यापक हुआ है। कैब सेवाएं उपलब्ध कराने वाली देशी-विदेशी कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को आशातीत विस्तार दिया है। लेकिन साथ ही चालकों के हित संरक्षण और उपयोगकर्ताओं के हितों के नियमन की आवश्यकता भी लंबे समय से महूसस की जा रही थी। इन सवारी सेवाओं पर लागू होने वाले नये दिशा-निर्देशों का मकसद कैब एग्रीगेटर्स को अधिक अवसर प्रदान करना, ड्राइवरों के कल्याण को सुनिश्चित करना और उपयोगकर्ताओं के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना है। सरकार ने उबर,ओला,इन-ड्राइव और रैपिडो जैसे एग्रीगेटर्स को पीक ऑवर्स के दौरान बेस किराए से दुगना तक चार्ज करने की अनुमति दी है। उल्लेखनीय है कि पहले यह बेस किराए से डेढ़ गुना अधिक था। जिसे सेवाओं में दबाव की स्थिति में किराये की तेजी के रूप में दर्शाया जाता था। इसके साथ ही, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश-2025 में गैर-पीक ऑवर्स के शुल्क को बेस किराए से पचास प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है। दरअसल, यह कदम ये सुनिश्चित करने के लिये है कि पीक ऑवर्स के दौरान यात्रियों पर बोझ न पड़े और एग्रीगेटर्स अन्य समय में भारी छूट के माध्यम से प्रतिस्पर्धा को कम न करे। केंद्र सरकार के अनुसार, वर्ष 2020 के दिशा-निर्देशों के संशोधित संस्करण के नए मानदंड उपयोगकर्ता की सुरक्षा और चालक के कल्याण के मुद्दों पर ध्यान देते हुए एक हल्की-फुल्की नियामक प्रणाली प्रदान करने का एक प्रयास है। इसमें शामिल अन्य प्रावधानों के अनुसार एग्रीगेटर्स को वाहन की लोकेशन और ट्रैकिंग डिवाइस लगानी होगी। इसका मकसद यात्रा करने वाले लोगों को सुरक्षा प्रदान करना भी है। ट्रैकिंग डिवाइस लगाने का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें वाहन की स्थिति की जानकारी मिलती रहे। जिसका राज्य सरकारों के एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर से जुड़ा रहना भी जरूरी है। निश्चय ही यह महिला सवारियों की सुरक्षा के मद्देनजर अपरिहार्य कदम है। इसके अलावा ड्राइवरों के हितों का भी ध्यान रखा गया है। उनके लिये बेहतर कमाई का प्रतिशत अनिवार्य किया गया है। उनके पास क्रमशः कम से कम पांच लाख और दस लाख रुपये का स्वास्थ्य और टर्म बीमा होना चाहिए। केंद्र सरकार के इस हालिया प्रयास ने राज्यों के लिये बाइक टैक्सियों को अनुमति देने का रास्ता भी खोल दिया है। निस्संदेह, ये प्रयास जहां अधिक राजस्व पैदा करने का जरिया बन सकता है, वहीं रोजगार सृजनकर्ता भी साबित हो सकता है। देश में जिस तरह बेरोजगारी की समस्या है, उसमें रोजगार के नये क्षेत्र पैदा करना वक्त की जरूरत है। यदि चालकों के लिये बेहतर कार्य परिस्थितियां और सम्मानजनक आय की व्यवस्था हो पाती है तो कई बेरोजगार इस दिशा में पहल कर सकते हैं। लेकिन जरूरी है कि एग्रीगेटर चालकों के साथ मनमानी न कर सकें। हर छोटे-बड़े व्यक्ति को आत्मसम्मान के साथ जीविका उपार्जन का अधिकार है। किसी भी काम को हेय दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। कई छात्र बेहतर कैरियर की चाह में अपनी पढ़ाई के खर्च के लिये पार्ट टाइम कार व बाइक टैक्सियां चलाते हैं। उन वाहनों में सफर करने वाले यात्रियों को भी इनके साथ सम्मानजनक ढंग से पेश आना चाहिए। उनके जीवन संघर्ष को हमें संबल देना चाहिए। नये प्रावधानों में राज्य सरकारों को सभी वाहनों, यहां तक कि ऑटो-रिक्शा और बाइक टैक्सियों के लिये भी आधार किराया अधिसूचित करना होगा। उन्हें अगले तीन महीने के भीतर नये मानदंडों को अपनाने की सलाह दी गई है। निश्चित रूप से सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश-2025 मौजूदा वक्त की जरूरतों के अनुरूप ही हैं। जो एक ओर कैब चालकों के हितों की रक्षा करते हैं, वहीं यात्रा करने वालों की सुरक्षा व आर्थिक हितों को भी संरक्षण प्रदान करते हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नये प्रावधानों के नियमन के लिये कितनी पारदर्शी व्यवस्था बनायी जाती है। निश्चित रूप से कानून बनाने से महत्वपूर्ण यह भी है कि उनके क्रियान्वयन में सजगता व सतर्कता सुनिश्चित की जाए।

कैब सेवाएं उपलब्ध कराने वाली देशी-विदेशी कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को आशातीत विस्तार दिया है। लेकिन साथ ही चालकों के हित संरक्षण और उपयोगकर्ताओं के हितों के नियमन की आवश्यकता भी लंबे समय से महूसस की जा रही थी। इन सवारी सेवाओं पर लागू होने वाले नये दिशा-निर्देशों का मकसद कैब एग्रीगेटर्स को अधिक अवसर प्रदान करना, ड्राइवरों के कल्याण को सुनिश्चित करना और उपयोगकर्ताओं के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना है। सरकार ने उबर,ओला,इन-ड्राइव और रैपिडो जैसे एग्रीगेटर्स को पीक ऑवर्स के दौरान बेस किराए से दुगना तक चार्ज करने की अनुमति दी है।

वंशानुगत बीमारियों पर भारी बिगड़ती जीवनशैली

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अब वंशानुगत बीमारियों से ज्यादा जानलेवा बीमारियां हमारी बदलती जीवनशैली के कारण होती जा रही है। खान-पान, रहन-सहन, प्रकृति से दूरी, बदलती जीवनचर्या यह सब वंशानुगत बीमारियों से ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। वंशानुगत बीमारियों से तो राहत प्राप्त की जा सकती है पर पल-पल बदलती जीवनशैली के कारण होने वाली बीमारियां साइलेंट अटैक का काम करती हैं। पता ही नहीं चलता कि कब जानलेवा बन जाती हैं। जानी मानी पत्रिका नेचर मेडिसिन में प्रकाशित एक रिपोर्ट से साफ हो गया है कि अब जीन से ज्यादा जीवन पर खतरा खराब या अव्यवस्थित जीवनशैली के कारण हो गया है। अब तक यह माना जाता रहा है कि कुछ बीमारियां वंशानुगत या यूं कहें कि आनुवांशिकी के कारण जन्मजात होती हैं। वह उम्र के साथ अपना असर दिखाना आरंभ कर देती हैं। नए शोध के अनुसार, बदलती जीवनशैली, रहन-सहन, आहार-विहार उससे भी गंभीर असर दिखाने लगा है। विशेषज्ञों के अनुसार, जीन प्रभावित लोग बेहतर और संतुलित जीवनशैली से अपनी जीवन रेखा को बड़ा कर सकते हैं। चिंतजानक यह है कि बदलती जीवनशैली के कारण असामयिक मौत की संभावना 78 फीसदी तक अधिक हो गई है। नेचर मेडिसिन पत्रिका में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के आलेख में यह दावा किया गया है। शोधार्थियों ने यूके बॉयोबैंक से 5 लाख लोगों का आंकड़ा प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकाला है। शोधार्थियों ने 164 फैक्टर और जेनेटिक जोखिमों का विस्तृत अध्ययन किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं हैं। जीवनशैली और आहार-विहार में बदलाव के कारण ही आज हार्ट संबंधी रोग, कैंसर, डाइबिटिज, ब्लड प्रेशर, अनिद्रा, डिप्रेशन और इसी तरह की कई बीमारियां आम होती जा रही हैं। इससे हर उम्र के लोग प्रभावित हैं। कल तक रईसों और उम्र के पड़ाव के अवसर पर होने वाली बीमारियां पूरी साम्यवादी सोच के साथ किसी को भी अपने दायरे में लेने लगी हैं। एक समय था जब सूर्योदय से पहले उठने और रात नौ-साढ़े नौ बजे तक सो जाने की सामान्य परंपरा रही है तो प्रातःकाल भ्रमण, दिन में भोजन के बाद कुछ समय के लिए आराम और रात को खाना खाने के बाद थोड़ी चहल कदमी अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी मानी जाती थी। स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य सामग्री और खान-पान में संयम के साथ ही शुद्धता पर जोर दिया जाता था, जिससे शरीर को तदनुरूप पौष्टिक तत्व मिल सकें। आज हालात में तेजी से बदलाव आया है। रसोई और रसोई सामग्री की शुद्धता और गुणवत्ता की बात तो करना ही बेमानी होगा। मिलावट या फिर रासायनिक खाद-कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण वस्तुओं की गुणवत्ता में कमी आना तो स्वाभाविक ही है इसके साथ ही चंद लाभ के लिए खाद्य सामग्री में मिलावट आम होती जा रही है। इसके साथ ही प्रदूषित वातावरण बीमारियों का कारक तो बन ही रहा है इसके साथ ही दवाएं भी बेअसर होती जा रही हैं। एक शोध के अनुसार केवल धूम्रपान के कारण ही 21 तरह की बीमारियां जकड़ सकती हैं तो पारिवारिक व रोजगारपरक तनाव के चलते 17 तरह की बीमारियां सीधे सीधे प्रभावित करती हैं। खान-पान का बदलाव तो इसी से समझा जा सकता है कि जंक फूड या बाहर खाना खाना हमारी प्राथमिकता बनता जा रहा है। घर का खाना अब बच्चों की पंसद से दूर होता जा रहा है। रही सही कसर ऑनलाइन प्लेटफार्म ने पूरी कर दी है। आधी रात को भी गली मोहल्लों में स्वीगी या इसी तरह की संस्था से जुड़े कार्मिक को आसपास ही खाद्य सामग्री सप्लाई करते हुए आसानी से देखा जा सकता है। जहां तक शुद्ध हवा और शुद्ध पानी का प्रश्न है तो आज आरओ और बोतलबंद पानी की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाये जाने लगे हैं। प्रदूषण के कारण शुद्ध हवा की बात करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। भले ही पार्कों में कितने ही घूम आओ या जिम में जाकर वर्कआउट कर आओ पर सवाल यही है कि आपके आसपास शुद्ध हवा तो अब रही ही नहीं। वाहनों का प्रदूषित धुआं, एसी सहित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के कारण वातावरण का बढ़ता तापमान भी खतरनाक है। रही सही कसर मोबाइल फोन और सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है। पिता एक तरफ अपने मोबाइल में मशगूल है तो मां अलग। बेटा-बहू अलग व बच्चों को भी इसी तरह से एक ही कमरे में बैठे होने के बावजूद एक दूसरे से अंजान की जैसी हालात में देखना आम है। सबसे खास यह कि सोशल मीडिया पर किस पोस्ट पर किसने लाइक किया या किसने इग्नोर किया यह तक तनाव का कारण बनता जा रहा है। सौ टके का सवाल यही है कि यदि हमें अपनी जीवन डोर लंबी करनी है तो समय रहते जीवनशैली और खान-पान में बदलाव करना होगा।

अब तक यह माना जाता रहा है कि कुछ बीमारियां वंशानुगत या यूं कहें कि आनुवांशिकी के कारण जन्मजात होती हैं। वह उम्र के साथ अपना असर दिखाना आरंभ कर देती हैं। नए शोध के अनुसार, बदलती जीवनशैली, रहन-सहन, आहार-विहार उससे भी गंभीर असर दिखाने लगा है। विशेषज्ञों के अनुसार, जीन प्रभावित लोग बेहतर और संतुलित जीवनशैली से अपनी जीवन रेखा को बड़ा कर सकते हैं। चिंतजानक यह है कि बदलती जीवनशैली के कारण असामयिक मौत की संभावना 78 फीसदी तक अधिक हो गई है। नेचर मेडिसिन पत्रिका में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के आलेख में यह दावा किया गया है। शोधार्थियों ने यूके बॉयोबैंक से 5 लाख लोगों का आंकड़ा प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकाला है। शोधार्थियों ने 164 फैक्टर और जेनेटिक जोखिमों का विस्तृत अध्ययन किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं हैं। जीवनशैली और आहार-विहार में बदलाव के कारण ही आज हार्ट संबंधी रोग, कैंसर, डाइबिटिज, ब्लड प्रेशर, अनिद्रा, डिप्रेशन और इसी तरह की कई बीमारियां आम होती जा रही हैं। इससे हर उम्र के लोग प्रभावित हैं। कल तक रईसों और उम्र के पड़ाव के अवसर पर होने वाली बीमारियां पूरी साम्यवादी सोच के साथ किसी को भी अपने दायरे में लेने लगी हैं। एक समय था जब सूर्योदय से पहले उठने और रात नौ-साढ़े नौ बजे तक सो जाने की सामान्य परंपरा रही है तो प्रातःकाल भ्रमण, दिन में भोजन के बाद कुछ समय के लिए आराम और रात को खाना खाने के बाद थोड़ी चहल कदमी अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी मानी जाती थी।

रील की दुनिया में रियल जिंदगी का विघटन, दिखावे की दौड़ में थकती जिंदगी

प्रियंका सौरभ

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहां एक तरफ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। पहले के समय में संवाद का अर्थ थाऽ बैठकर बात करना, साथ हंसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ ''टाइप'' और ''स्क्रॉल'' में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुषऽ सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आंगन या बैठक में होती थीं, आज वो 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'पोस्ट' में समा गई हैं। जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुंच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है। अब दोस्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने ''सीन'' किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने ''स्टोरी'' पर साझा किया हो। बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर मां-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फिल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है। सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहां व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। मां-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं। यह आदत अब लत बन चुकी है। सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है। डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफ़ेक्ट जिंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं। खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है। दूसरी ओर, इस प्लेटफॉर्म पर 'फ़ेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफ़े में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल जिंदगी में वह कर्ज और तनाव से घिरा होता है। परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा जिंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरजरूरी बातचीत और अफ़ेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफ़ेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखाकर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं। आज जब हम 'फैक्ट चेकिंग' और 'डिजिटल लिटरेसी' की बात करते हैं, तब यह समझना जरूरी है कि सोशल मीडिया सिर्फ सूचना या मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया हैऽ यह अब हमारी सोच, व्यवहार और संबंधों को गहराई से प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है। भारत जैसे देश में, जहां संयुक्त परिवार की परंपरा रही है, वहां सोशल मीडिया ने ''संयुक्तता'' की भावना को गहराई से चुनौती दी है। लोग अब त्योहारों में साथ बैठकर मिठाई खाने की बजाय उस मिठाई की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने में लगे रहते हैं। रिश्तों का स्पर्श, संवाद की गर्माहट और एक-दूसरे की मौजूदगी की जो भावना होती थी, वह डिजिटल एल्गोरिद्म के पीछे छिप गई है। यह सच है कि सोशल मीडिया ने कई सकारात्मक चीजें भी दी हैंऽ आवाज उठाने का मंच, जागरूकता फैलाने का साधन और कई मामलों में न्याय की दिशा में जनदबाव बनाने का माध्यम लेकिन जब यही साधन साध्य बन जाए, तो समस्या खड़ी होती है। अब यह समय है जब हमें व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर आत्मचिंतन करने की जरूरत है। हमें यह समझना होगा कि हम सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता हैं, उसके दास नहीं। तकनीक का उपयोग जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि उसे निगल जाने के लिए। हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि लाइफ का मतलब लाइक्स नहीं होता। हमें उन्हें यह सिखाना होगा कि रील लाइफ से ज्यादा कीमती रियल लाइफ होती है। हमें खुद से पूछना होगा कि आखिरी बार जब हम अपने माता-पिता के पास बैठकर बिना मोबाइल के बात किए, वह कब था। समाधान यह नहीं कि सोशल मीडिया को छोड़ देना चाहिए बल्कि सोचना यह है कि इसे कैसे संतुलित किया जाए। हमें ''डिजिटल डिटॉक्स'' की आदत डालनी होगी। एक दिन बिना सोशल मीडिया के बिताना, भोजन करते समय मोबाइल को दूर रखना, रात को सोने से पहले स्क्रीन नहीं देखना, सुबह उठते ईश्वर या परिवार को याद करना, न कि इंस्टाग्राम को। सरकारों और संस्थानों को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। स्कूलों में डिजिटल संतुलन की शिक्षा, माता-पिता के लिए कार्यशालाएं और सोशल मीडिया कंपनियों पर बच्चों के लिए सुरक्षित सामग्री सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। मनुष्य का मस्तिष्क तकनीक से तेज है, लेकिन अगर वह तकनीक का गुलाम बन जाए, तो मानवता खो बैठता है। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली औजार है, बशर्ते हम उसे नियंत्रित करें, न कि वह हमें। अब समय है कि हम डिजिटल दुनिया में खुद को फिर से खोजेंऽ सच्चे रिश्तों के लिए, मानसिक शांति के लिए और एक ऐसे समाज के लिए जो तकनीक से सशक्त हो लेकिन संवेदनाओं से जुड़ा भी हो। सोशल मीडिया का यह नया नशा तभी टूटेगा जब हम आत्मनियंत्रण, संवाद और समझदारी से इसे अपनाएंगे। वरना यह नशा हमारे बच्चों से उनकी मासूमियत, हमारे परिवार से उसकी गर्माहट और हमारे समाज से उसकी आत्मा छीन लेगा।

बारिश का कहरः प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। 2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ज़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नज़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवज़े की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी ज़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो। हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल ज़िम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफ़े पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं।

समाधान दिवस में डीएम के सामने फूटा फरियादियों का दर्द

- अवसर की आस लिए पहुंचे सैकड़ों लोग, विधवा महिला से लेकर पुजारी और व्यापारी तक ने रखी व्यथा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ (उन्नाव)। स्थानीय तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार की उपस्थिति के चलते बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे और अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। नगर के मोहल्ला पटेल नगर निवासी एक विधवा महिला ने डीएम को शिकायती पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि मोहल्ले के सभासद द्वारा प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना के अंतर्गत आवास दिलाने के लिए 20 हजार रुपये सुविधा शुल्क की मांग की गई। रुपये न दे पाने के कारण उसे अब तक आवास नहीं मिला। इसी तरह, ग्राम मेला आलमशाह स्थित राम जानकी मंदिर के पुजारी बाबा रामखेलावन दास ने बताया कि मंदिर की लगभग पांच बीघा भूमि, जो राजस्व अभिलेखों में दर्ज है, उस पर कुछ दबंगों ने कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर झगड़े पर आमादा हो जाते हैं।

नगर के मोहल्ला कस्बा टोला निवासी वृद्धा सरला ने शिकायत करते हुए कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा दी जा रही वृद्धावस्था पेंशन बिना कारण बंद कर दी गई है, जिससे उसे कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मिश्रा मार्केट स्थित कमलेश चंद्र, सुरेन्द्र गुप्ता, शशांक पटेल व लक्ष्मी नारायण सहित अन्य व्यापारियों ने शिकायत में बताया कि उनकी दुकानों के सामने ई-रिक्शा और ऑटो की भरमार रहती है, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती है और उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों ने मांग की कि इन वाहनों को संडीला मार्ग स्थित बस स्टैंड पर खड़ा किया जाए।

इस समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, एडीएम (राजस्व व वित्त) सुशील कुमार, एसडीएम शुभम यादव, सीओ अरविंद कुमार, तहसीलदार साक्षी राय, प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह, बेहटा थाना प्रभारी मुन्ना कुमार, खंड विकास अधिकारी निशा सागर विश्वकर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा तीन दिव्यांगों (दिनेश कुमार, विनय कुमार सहित) को ट्राईसाइकिलें, किसानों (पंकज, बलीराम, केदारनाथ, बेचेलाल) को बीज किट और कन्या सुमंगला योजना के तहत अंबिका गुप्ता, बुशरा व वैष्णवी को सात-सात हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत काजल, सिमरन, सुनैना और शिवानी के अभिभावकों को ढाई-ढाई हजार रुपये के चेक वितरित किए गए।

समाधान दिवस में अधिकारियों की गैरहाजिरी पर एसडीएम सख्त

पुरवा (उन्नाव)। शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन हुआ। इस अवसर पर 79 फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखते हुए विभिन्न विभागों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं। एसडीएम और सीओ अजय कुमार सिंह ने शिकायतों को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान 11 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। कार्यक्रम में राजस्व विभाग से 54, पुलिस विभाग से 12, विकास विभाग से 3, विद्युत विभाग से 3 और अन्य विभागों से 7 प्रकरण दर्ज किए गए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग अपने उत्तरदायित्व का गंभीरतापूर्वक पालन करें। कार्यक्रम के दौरान कुछ विभागीय अधिकारी अनुपस्थित पाए गए, जिनके खिलाफ एसडीएम ने सख्त रुख अपनाया। सहायक विकास अधिकारी (सहकारी समिति) असोहा और पुरवा, अवर अभियंता विद्युत विभाग (पाठकपुर, मौरावां, पुरवा) तथा सहायक कृषि अधिकारी, पुरवा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन कार्य दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है। नोटिस जारी होते ही संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया। समाधान दिवस में जनता की समस्याओं को लेकर अधिकारियों की अनुपस्थिति को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी संतोष श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार आशुतोष पांडेय, पुलिस, विद्युत, कृषि, आपूर्ति और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप समाधान दिवस को केवल औपचारिकता न बनाकर प्रभावी बनाया जाएगा। अधिकारी समय से उपस्थित रहें और शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

खाद माफियाओं पर चला प्रशासन का डंडा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। किसानों को समय पर उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। खरीफ सीजन में खाद की मांग के बीच प्रशासन नहीं चाहता कि कोई भी किसान कालाबाजारी, ओवररेटिंग या टैगिंग का शिकार हो। यही कारण है कि जिला कृषि अधिकारी श्री शशांक के नेतृत्व में जिलेभर में उर्वरक दुकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। प्रशासन की इस सख्ती का असर साफ नजर आने लगा है। अब तक की गई कार्रवाई में 27 खाद विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस, 8 दुकानों के लाइसेंस निलंबित, जबकि 3 दुकानों के लाइसेंस रद्द किए जा चुके हैं। यह अभियान किसानों को राहत और कालाबाजारी करने वालों को सीधा संदेश देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

खाद की कालाबाजारी, ओवररेटिंग और टैगिंग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं- जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी विक्रेता खाद का वितरण केवल पीओएस मशीन के माध्यम से ही करें। साथ ही, दुकान पर स्टॉक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर और कैश मेमो अनिवार्य रूप से रखें। यदि किसी भी विक्रेता द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री, अनावश्यक टैगिंग या कालाबाजारी की जाती है, तो उसके खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनपद में खाद की कोई कमी नहीं: जिला कृषि अधिकारी- जिला कृषि अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जनपद में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। आगे आने वाली मांग को देखते हुए खाद की आपूर्ति लगातार कराई जा रही है ताकि हर किसान को सही समय पर उचित दर पर खाद मिल सके।

शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी- यदि किसी भी किसान को खाद से संबंधित कोई शिकायत हो, तो वह 7839882173 नंबर पर प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान का पुरवा में हुआ शुभारंभ

पुरवा (उन्नाव)। परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित वृक्षारोपण अभियान ''एक पेड़ मां के नाम'' का शुभारंभ शनिवार को पुरवा कस्बे के श्रीमती राम रानी देवी चौरसिया पब्लिक स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (पीटीओ) शैहफर किदवई मैडम ने पौधा लगाकर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और विद्यालय प्रबंधन के सदस्य उपस्थित रहे। पीटीओ मैडम ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और पेड़ लगाने के साथ-साथ उन्हें बचाना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम लगाकर हम प्रकृति और भावनाओं को जोड़ सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हेलमेट पहनना, सड़क पार करते समय सावधानी बरतना और ट्रैफिक नियमों का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधक ने पीटीओ मैडम को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक स्वयंवर राजपूत ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य गौरव शर्मा सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं इस अवसर पर मौजूद रहे।।छात्र-छात्राओं ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संकल्प लिया।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला व युवक की हुई मौत

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र में भदेहदू व कुचेन्दू गांव में अलग-अलग जगहों में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला और एक युवक की मौत हो गई, पहली घटना बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत भदेहदू गांव के मजरा सेम्मा पुरवा का है। जहां के लवलेश कुमार पुत्र कबीरदास 25 वर्ष के ऊपर खेतों में शुक्रवार को धान की बेड की रखवाली व मवेशियों को चराने के लिए गया था तभी देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई है। वही दूसरी घटना बबेरू कोतवाली क्षेत्र के कुचेन्दू गांव की है। जहां की रहने वाली महिला माया देवी पत्नी केशवबाबू उम्र 30 वर्ष की खेतों में बने झोपडी वाले घर में भी आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे महिला माया देवी की भी मौत हो गई है। जैसे ही परिजनों को जानकारी हुई तो दोनों जगह के परिजनों ने आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टर द्वारा परीक्षण करने के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया है। सूचना पर पहुंची बबेरू कोतवाली प्रभारी राजेंद्र सिंह राजावत मय फोर्स व नायब तहसील मनोहर सिंह ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के मेडिकल कॉलेज बांदा भेज दिया है। वहीं मौत की खबर सुनकर दोनों परिवार जनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जल निकासी की समस्या को जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान

बांदा। गुरूवार को जिलाधिकारी बांदा श्रीमती जे. रिभा द्वारा मोहल्ला आज़ाद नगर (लोहिया पुल) में रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य के चलते उत्पन्न हुई जल निकासी की समस्या का गंभीरता से संज्ञान लिया गया। एडीएम राजेश वर्मा के साथ स्वयं मौके पर पहुँचकर उन्होंने स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तत्काल जल निकासी की समस्या के समाधान हेतु ईओ नगर पालिका परिषद बांदा एवं रेलवे के अवर अभियंता को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शीघ्रता से कार्यवाही कर नागरिकों को राहत प्रदान की जाए।

नगर मजिस्ट्रेट ने जूस पिलाकर समाप्त कराया पीड़ित का अनशन

बांदा। नरैनी तहसील के ग्राम पंचायत पुकारी निवासी पीड़ित गणेश प्रसाद द्वारा अशोक स्तंभ पर चलाया जा रहा आमरण अनशन आज चौथे दिन समाप्त हो गया। नगर मजिस्ट्रेट संदीप केला ने स्वयं अनशन स्थल पर पहुंचकर गणेश प्रसाद को जूस पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया।गणेश प्रसाद ने बताया कि उनका पड़ोसी, ग्राम पुकारी का पूर्व प्रधान राजा उमलिया उर्फ रामबालक पुत्र काशी प्रसाद, पिछले काफी समय से अनधिकृत रूप से अपने घर का गंदा पानी जबरन उनके आवासीय परिसर में निकाल रहा था। इस गंभीर समस्या को लेकर वह पिछले दो वर्षों से जिला एवं तहसील प्रशासन से लगातार न्याय की गुहार लगा रहे थे, परंतु उनकी शिकायतों को अनसुना कर दिया गया।

सफाई व्यवस्था दुरूस्त ना मिलने पर तीन सफाई कर्मी निलंबित, मुकदमा भी हुआ दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था बहुत खराब है।आए दिन इसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा अधिकारियों से की जा रही थी। इसको लेकर जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर एडीएम वित्त अलोरविन्द कु0माओलर सिंह ने ताबड़तोड़ कई गाओ की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। जहां ब्लाक मिर्ज़ापुर, ददरौल,ब्लाकलोको तिलहर छेत्र के चार सफाई कर्मियों को गांव में मौजूद ना मिलने और गांव में सफाई व्यवस्था दुरूस्त ना मिलने पर एडीएम ने चार सफाईपुलर्मियों को निलंबित कर दिया साथ ही सभी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।एडीएम अरविंद कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था को लेकर शनिवार को ब्लाक ददरौल के ग्राम पंचायत घुसुआरी के राजस्व ग्राम रोशनपुर,में तैनात सफाईकर्मी दीपकमल आर्य बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए।ग्राम वासियों ने बताया कि दीपकमल आर्य कभी भी सफाई करने गांव नहीं आते हैं।उन्होंने अपनी जगह पर मोनू नाम के व्यक्ति को प्राइवेट तौर पर रखा हुआ है जो कभी कभार गांव आकर कुछ एक स्थान पर सफाई के नाम पर खानापूरी कर चले जाते हैं।इसी प्रकार विकास खण्ड तिलहर के ग्राम पंचायत मोहनपुर में तैनात सफाईकर्मी संजय कुमार भी बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए यहां भी उन्होंने अपने स्थान पर एक प्राइवेट व्यक्ति को रखा हुआ था।इसी प्रकार विकास खण्ड मिर्ज़ापुर के ग्राम पंचायत मई खुर्द कला में तैनात सफाईकर्मी फिरोज अहमद भी निरीक्षण करने पर मौके पर नहीं मिले। यहां भी उन्होंने अपने स्थान पर प्राइवेट आदमी को सफाई करने के लिए लगा रखा था। एडीएम अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि तीनों सफाई कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

तहसील दिवस पर डीएम ने वितरित किया आयुष्मान कार्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। चायल तहसील में आयोजित तहसील दिवस पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुलगी द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया। आयुष्मान भारत के जिला समन्वयक डा. ओम त्रिपाठी के अनुसार आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड तहसील दिवस में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित कैम्प में स्क्रीनिंग कर पात्रता पाये जाने पर तत्काल कार्ड बनाकर जिलाधिकारी द्वारा वितरित हुआ। इस दौरान 25 फरियादियों की स्क्रीनिंग की गयी जिसमे 10 फरियादी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत योग्य पाये गये। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों में गुलाब, राम कुंजल, शिवकुमारी, अशोक कुमार, दक्खिनी, हरज्ञान सिंह, सर्वेश कुमार, बनवारी लाल, गया प्रसाद व ऋषि कुमार पाण्डेय रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने तहसील परिसर में किया पौधरोपण

कौशाम्बी। चायल तहसील में आयोजित तहसील दिवस के उपरांत जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी व पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा चायल तहसील परिसर में पौधारोपण कर जनपदवासियों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के प्रति जागरूक किया गया तथा लोगों से कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन के लिए हम सभी को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण भी करना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन बनाये रखने तथा हमारे जीवन के लिए धरातल पर अधिक से अधिक पेड़-पौधों का होना अत्यन्त आवश्यक है। पेड़-पौधों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वह प्रत्येक तत्व जिसका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते हैं वह सभी पर्यावरण के अन्तर्गत आते हैं। हमारा पर्यावरण धरती पर स्वस्थ्य जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सुरक्षित जीवन के लिए धरातल पर मानक के अनुसार 33 प्रतिशत वन आच्छादित होना चाहिए। हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के अनुरूप जीवन शैली अपनाना चाहिए। हम सब अपने दिनचर्या में बदलाव लाकर भी पर्यावरण का संरक्षण कर सकतें हैं।

कर्नलगंज में सफाई व जलनिकासी व्यवस्था बदहाल, जिम्मेदार मौन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कर्नलगंज,गोंडा। तहसील मुख्यालय स्थित कर्नलगंज नगर पालिका क्षेत्र में में सफाई और जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नगर के विभिन्न हिस्सों में गंदगी और कूड़े का अंबार लगा हुआ है, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। सर्वामाई थान स्टेशन रोड के पास मकानों और दुकानों के सामने सड़कों पर गंदा पानी भरा हुआ है, जो दुर्गंध और असुविधा का कारण बन रहा है। भैरवनाथ मार्ग और ईदगाह रोड के किनारे कूड़ा-कचरा जमा है,जिससे नालियां बजबजा रही हैं। नियमित सफाई का अभाव साफ दिखता है,और स्वच्छ भारत मिशन यहाँ कागजी साबित हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कस्बे में सफाई व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित है। प्रतिदिन सफाई न होने से गंदगी बढ़ रही है,जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। विभिन्न मोहल्लों में फॉगिंग मशीन से दवाओं का छिड़काव भी नियमित नहीं होता, जिससे स्थिति और गंभीर हो रही है। धार्मिक त्योहारों और कार्यक्रमों के दौरान भी जिम्मेदार अधिकारी सफाई और नालियों की गंदगी निकासी पर ध्यान नहीं देते। जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की उदासीनता से नगरवासी आक्रोशित हैं। शासन और जिला प्रशासन के स्वच्छता अभियान की हवा निकल रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से माँग की है कि तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएँ, नियमित सफाई और फॉगिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि कस्बे को स्वच्छ और स्वस्थ बनाया जा सके। यदि जल्द ही सुधार नहीं हुआ, तो जनता के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है।

प्रभारी यातायात की तत्परता से खोया बैग हुआ बरामद

बांदा। पुलिस अधीक्षक श्री पलाश बंसल के निर्देशों के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिवराज,सीओ यातायात श्री राजीव प्रताप सिंह ,यातायात प्रभारी संजय मिश्रा के नेतृत्व में चलाए गए ई रिक्शा सत्यापन रजिस्ट्रेशन का जनता को मिल रहा है फायदा इसी फायदे के क्रम में आज हर्षिका पुत्री राम प्रकाश निवासी बबेरू जो एलएलबी 4जी ईयर की एकलव्य महाविद्यालय बांदा की छात्रा है कल दोपहर लगभग 3रू00 बजे मेडिकल कॉलेज से स्वराज कॉलोनी के लिए ई रिक्शा पर बैठी हुई थी स्वराज कॉलोनी पहुंचते ही उतर गईं और ई रिक्शा पर रखा हुआ अपना बैग उठाना भूल गई। घर पहुंचने के बाद उसको अपने बैग की याद आई जब तक काफ़ी देर हो गई थी। रिक्शा वाला भी सवारी उतार कर जा चुका था काफी प्रयास करने के बाद नहीं मिला। रास्ते के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद रिक्शा पर लगा हुआ 27 नंबर का टैग दिखाई दे रहा था। यातायात प्रभारी संजय मिश्रा को इसकी जानकारी दी गई यातायात प्रभारी के द्वारा रजिस्टर में रजिस्टर्ड नाम पता एवं कंटेक्ट नंबर के माध्यम से रिक्शा चालक से संपर्क किया गया उसने बताया यह बैग छूट गया था।

गैंगस्टर एक्ट मे तीन माफियाओं को कठोर कारावास की सजा और जुर्माना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह ने बताया कि जनपद के थाना अतर्रा के प्रभारी निरीक्षक भगवती प्रसाद मिश्रा ने 18 अप्रैल 2017 को प्राथमिकी दर्ज कराई कि टप्पू उर्फ़ दीपक उर्फ़ सुरेश निवासी थाना बाँदा रोड थाना अतर्रा जनपद बाँदा , राजेश निवासी शास्त्री नगर थाना अतर्रा , राजकुमार ग्राम पचोखर थाना अतर्रा जनपद बाँदा का एक संगठित गिरोह हैं जिनके विरुद्ध थाना अतर्रा में धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियोजन विभाग से समन्वय करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी किए जाने के फलस्वरूप अपर सत्र विशेष न्यायाधीश एडीजे चतुर्थ गैंगस्टर कोर्ट द्वारा अभियुक्त को 02 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5000 /रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। गैंगस्टर की विवेचना निरीक्षक राम केवल पटेल द्वारा संपादित की गई थी। जिस पर न्यायालय में प्रभावी पैरवी करके पैरोकार दिनेश कुमार कोर्ट मोहर्रिर अमित राजपूत विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह के द्वारा कड़ी मेहनत करने के बाद अभियुक्त को सजा दिलायी गईं । इनका एक संगठित गिरोह हैं जिसका गैंग लीडर टप्पू उर्फ़ सुरेश उर्फ़ दीपक हैं राजकुमार व राजेश सक्रिय सदस्य हैं यह गैंग अपने और अपने साथियों के साथ मिलकर आर्थिक भौतिक एवं दुनियावी लाभ के लिए अवैध असलहा रखना व अपने गैंग के शौक पूरे करने के लिए चोरी करना, राहजनी,अवैध रूप से मोटर साईकिल चोरी करके सामान को बेचना ,जैसे अपराध कारित कर अवैध धन अर्जित करता है। गैंग लीडर व सभी के ऊपर गंभीर धाराओं में मुक़द्दमे दर्ज है ! यह सभी बहुत ही दुर्दांत और बहुत ही शातिर किस्म के अपराधी हैं। विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह ने यह बताया की यह गैंग चोरी,राहजनी जैसे गंभीर अन्य अपराधो को कारित करने के अभ्यस्त अपराधी है जिनके आधार पर इन सभी अभियुक्तों पर गैंगस्टर की कार्यवाही की गई।

आयुक्त ने तहसील दिवस में सहभागिता के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

बांदा। आयुक्त, चित्रकूटधाम मण्डल, बांदा अजीत कुमार द्वारा पुलिस उपमहानिरीक्षक, चित्रकूटधाम परिक्षेत्र, बांदा के साथ जनपद हमीरपुर के मौदहा तहसील में आयोजित तहसील दिवस में प्रतिभाग किया गया। तहसील दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों का आयुक्त महोदय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायती प्रकरणों का तत्परता, समयबद्धता एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा उसकी आख्या आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराने हेतु अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) हमीरपुर को निर्देशित किया। इसके साथ ही आयुक्त ने आगामी वर्षा ऋतु के दृष्टिगत संभावित कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए पूर्व तैयारियों के तहत साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल, गौवंश के लिए सुरक्षित ठहराव, स्वास्थ्य सेवाएं तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सुरेश खन्ना ने सांसद अरुण सागर के साथ ककरा न्यू सिटी कालोनी में किया वृक्षारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर पहुंचे वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने भाजपा सांसद अरुण सागर के साथ ककरा न्यू सिटी कालोनी में वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश वनीकरण की कमी है। केंद्रीय करो में हिस्सा बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना होगा ।वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मां के नाम पेड़ लगाने की अपील की है। 9 जुलाई से शाहजहांपुर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि नौ जुलाई से शाहजहांपुर में भी वृक्षारोपण का विशेष अभियान चलेगा। उन्होंने कहा कि जितना कटान हुआ है। उम्मीद है उससे कहीं ज्यादा वृक्षारोपण होना चाहिए। इसके कई फायदे होते हैं। वृक्ष हमको साया और फल भी देता और हरियाली का माहौल बनाता है। प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों से अपील की है कि एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाओ। वित्त मंत्री ने जनपद वासियों से अपील की है सुरक्षित और कवर्ड स्थान पर पेड़ लगाए और उसको जीवित रखने के लिए भी चिंता रखें। उन्होंने कहा कि मां के नाम से पेड़ जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि इसका एक फायदा और भी हो सकता है ।केंद्रीय करो में जो उत्तर प्रदेश को हिस्सा मिलता है उसमे सबसे ज्यादा वीक प्वाइंट उत्तर प्रदेश वनीकरण नही है ।वनीकरण बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना होगा । ज्यादा वनीकरण करने से हम फाइनेंस कमीशन के समक्ष ज्यादा वित्त पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय करो में हिस्सा बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना होगा ।

गंभीर मरीजों के इलाज के लिए विधायक ने निधि से दिये लाखों

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी क्षेत्र के गम्भीर बीमारियों से ग्रसित आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के इलाज के लिए बने एक सशक्त मददगार, मुख्यमंत्री राहत कोष से अपने 08 वर्ष के कार्यकाल में स्वीकृत कराये 748.42 लाख व अपनी निधि से 103 लाख हैं। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर लोगो के गम्भीर बीमारियो के इलाज के लिए एक सशक्त सहारे के रूप में जनता के बीच में स्थापित हुये है। सदर विधायक द्वारा अपने 08 वर्ष के कार्यकाल में अब तक अपने जनपद के आर्थिक रूप से कमजोर 424 रोगियों के इलाज हेतु प्रस्ताव भेज, मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से 748.42 लाख रूपये स्वीकृत कराये गये है एवं विधायक निधि विकास योजना के अन्तर्गत बांदा सदर विधानसभा के 36 मरीजों के इलाज हेतु 103.00 लाख रूपये निर्गत किये गये है।

घरेलू हिंसा पर हेल्पलाइन से मिलेगी मदद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। महिलाएं कामयाबी की बुलंदियों को छू रही हैं। हर क्षेत्र में प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इन सबके बावजूद उन पर होने वाले अन्याय, अनाचार, प्रताड़ना, शोषण में कोई कमी नहीं आई है। कानूनी जानकारी न होने के कारण महिलाएं घरेलू व मानसिक हिंसा झेल रही हैं। घरेलू हिंसा पीड़ित महिला हेल्पलाइन नंबर 9015122122 पर कॉल करके निःशुल्क मदद ले सकती है। यह जानकारी शहर के गुलाब बाग स्थित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) सभागार में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक में इंविजिबल स्कार्स फाउंडेशन (हैदराबाद) संस्था फील्ड एक्जीक्यूटिव इमरान अली ने कहीं।

श्री अली ने घरेलू हिंसा कानून (डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट 2005) की जानकारी देते हुए कहा कि शारीरिक, आर्थिक, यौनिक व मानसिक हिंसा होने पर संस्था के हेल्पलाइन नंबर 9015122122 पर कॉल करके काउंसलिंग, कानूनी पैरवी से संबंधित सहायता निशुल्क ली जा सकती है। यह पूरे भारत में चल रहा है। कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सीधा समुदाय से जुड़ी रहती हैं। इसलिए उक्त नंबर को अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचाएं ताकि पीड़िताओं को हर संभव मदद आसानी से मिल सके। हेल्पलाइन के पर्चे वितरित करके उन्हें अपने-अपने केंद्र में लगाने के लिए कहा। शहरी बाल विकास परियोजना अधिकारी राम प्रकाश ने संभव अभियान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शून्य से पांच वर्ष के बच्चों का वजन, लंबाई व ऊंचाई लेते हुए उसकी सूचना पोषण ट्रैकर एप पर फीड करेंगी। इन बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की (आरबीएसके) टीम अथवा नजदीक के सीएचसी, पीएचसी पर कराया जाएगा। चेहरा प्रमाणीकरण में लापरवाही बरतने वाली कार्यकर्ताओं को हिदायत देते हुए दो दिनों में यह कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
नीलामी सूची सं.	CATERING-PRG-25
कार्य का विवरण	Minor catering unit under SMU-BPL at Prayag Jn (PRG) Railway station. ID PRG/PF-2&3/209/Addl at Platform No. 2/3
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समय स्लाट)	17.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि व समय	17.07.2025 at 10:30 hrs.

वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2026/2025

शिकायतों का गुणवत्तापरक, समयबद्ध निस्तारण करें अफसर : जिलाधिकारी

डीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं, लाभार्थियों को मिली स्वरोजगार की सौगात

- संपूर्ण समाधान दिवस में योजनाओं के लाभार्थियों को मिला सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील धौरहरा के सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, विधायक विनोद शंकर अवस्थी, एसपी संकल्प शर्मा और सीडीओ अभिषेक कुमार ने एक ओर जहां फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और किट सौंपे। मौके पर फैमिली आईडी अनुश्रवण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत सहायकों और कंप्यूटर ऑपरेटर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। जनसुनवाई के दौरान डीएम व एसपी ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में जनसमस्याओं का समाधान सर्वोपरि है। गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं का संवेदनशीलता से तुरंत समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए संतोषजनक निस्तारण करें और भूमि विवादों में राजस्व-पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल कार्यवाही करे। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस समाधान दिवस में कुल 82 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत हुए, जिनमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 26, पुलिस विभाग की 22, विकास विभाग की 06,चकबंदी की 13, समाज कल्याण विभाग की 04, नगर निकाय की 02, आपूर्ति विभाग की 03, अन्य विभाग की 06 शिकायतें शामिल रहीं। सभी प्रार्थना पत्रों को पृष्ठांकित कर संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण हेतु सौंपा गया। इस दौरान एसडीएम शशि कांत मणि, सीओ शमसेर बहादुर सिंह, पीडी एसएन चौरसिया, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह, तहसीलदार आदित्य विशाल सहित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को मिला लाभ, कर्मठों को सम्मान

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, विधायक विनोद शंकर अवस्थी, एसपी संकल्प शर्मा और सीडीओ अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से जीरो पावर्टी लाइन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और किट वितरित किए। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत तीन लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र दिए गए, जबकि राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत तीन अन्य लाभार्थियों को पत्र प्रदान किए गए। वहीं खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से 20 लाभार्थियों को मधुमक्खी पालन हेतु किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक धौरहरा के फैमिली आईडी अनुश्रवण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पंचायत सहायक फरहान, अमन नाग, अमित कुमार, कल्पना वर्मा, उर्मिला राजपूत तथा कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद नसीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शारदा नदी द्वारा हो रहे कटान स्थल पर पहुंचे खीरी : सांसद उत्कर्ष वर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकला खीरी। अतरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास शारदा नदी द्वारा हो रहे कटान स्थल पर पहुंचे खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा कटान पर कार सेवा कर रहे हैं लोगों से बातचीत करते हुए सांसद उत्कर्ष वर्मा ने कहा कि शारदा नदी में हुए चैनेलाइजेशन कार्य योजना विफल रही। अगर चैनेलाइजेशन का कार्य सही तरीके से हो गया होता तो शायद यह नौबत नहीं आती।

चैनेलाइजेशन कार्य योजना की निपक्ष जांच होना चाहिए। एक तरफ सरकार कहती है कि खनन नहीं होना चाहिए वहीं दूसरी तरफ शारदा नदी में पिछले कई वर्षों से बहुत जोरों पर खनन हुआ जिसका खामियाजा पलिया विधानसभा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। हर साल आने वाली बाढ़ के लिए सरकार के पास कोई स्थाई योजना नहीं है। बाढ़ की समस्या को लेकर जनता में काफी आक्रोश है। पलिया क्षेत्र में जब भी कोई आपदा आई है तो बाबा गुरनाम सिंह महंगापुर वाले क्षेत्र की जनता के साथ खड़े नजर आए हैं। पलिया क्षेत्र की जनता उनके सहयोग के लिए हमेशा आभारी रहेगी। आज भी जो रेलवे लाइन पर कटान रोकने का कार्य चल रहा है हुआ भी बाबा जी की अपील पर चल रहा है।

अगर यह कार्य प्रशासन के ऊपर छोड़ दिया जाता तो अब तक रेलवे लाइन कितनी कट गई होती इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।इस मौके पर विधानसभा प्रभारी प्रीतेंद्र सिंह कक्कू सांसद प्रतिनिधि अशोक वर्मा जिला उपाध्यक्ष रोहित वर्मा गुरप्रीत सिंह नन्नर अमरजीत सिंह सोढ़ी तरसेम सिंह सतनाम सिंह भाटी अशोक गुप्ता सुरेश वर्मा मोहन शर्मा तेजिंदर सिंह कुलवंत सिंह देवेंद्र सिंह निक्कू आदि मौजूद रहे।

पलिया सीएचसी अधीक्षक ने उच्चाधिकारियों पर लगाए आरोप, अधीक्षक पद से दिया त्याग पत्र का लेटर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। पलिया सीएचसी के अधीक्षक द्वारा डीएम, एडीएम व सीएमओ को पत्र भेजकर पलिया अधीक्षक पद से त्याग पत्र देने की बात कही है। पत्र में लखीमपुर के एसीएमओ व सीएमओ पर आरोप लगाते हुए पारिवारिक समस्या व स्वास्थ्य खराब होने के बाद भी शोषण करने का आरोप लगाया गया है। मामले में सीएमओ की तरफ से बिना अवकाश लिए जाने पर अधीक्षक की जगह निघासन अधीक्षक को पलिया का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

पलिया सीएचसी के अधीक्षक डा. भरत सिंह ने डीएम, एडीएम व सीएमओ को भेजे गए पत्र में कहा है कि वह तीन सालों से स्वास्थ्य सेवाएं देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। आरोप है कि तीन जुलाई को एसीएमओ डा. लालजी पासी ने उनको पब्लिक के सामने बेइज्जत करने के साथ ही अभद्रता की और डीएम से नोटिस दिलाने की धमकी दी। जिससे वह काफी आहत है। उन्होंने बताया कि उनके पिता व उनकी भी शारीरिक दिक्कतें रहती हैं लेकिन फिर भी अवकाश नहीं मिल पाता है। सीएमओ से तीन दिन का अवकाश मांगा लेकिन उन्होंने अवकाश देने से मना कर दिया।

जिससे वह पारिवारिक व खुद की शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे हैं और अधीक्षक पद का कार्य नहीं संभाल सकते हैं। तीन बार तबादले के लिए भी पत्र दिया लेकिन तबादला नहीं किया। जिसके कारण वह अवैतानिक अवकाश की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर पत्र भेजकर अवकाश देने की मांग की गई है। पत्र के वायरल होने के बाद सीएमओ कार्यालय से एक पत्र जारी हुआ जिसमें बिना अवकाश की सूचना देकर डा. भरत सिंह को सीएचसी छोड़कर जाने की बात कही गई और राजकीय कार्य में बाधा न आने के चलते निघासन सीएचसी अधीक्षक को पलिया का चार्ज देने के निर्देश दिए गए।

इस बारे में अधीक्षक डा. भरत सिंह ने बताया कि डा. लालजी पासी उनके समकक्ष हैं और जिले पर जाने के बाद से वह लगातार शोषण कर रहे हैं। इसको लेकर कई बार उनसे बहस भी हुई है। फिर भी पारिवारिक समस्या को देखते हुए अधीक्षक का पद छोड़ने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 50 शिकायतों में सिर्फ 6 का मौके पर निस्तारण

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला में उपजिलाधिकारी युगांतर त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस तहसील सभागार में संपन्न हुआ। समाधान दिवस में कुल पचास फरियादी शिकायत लेकर आए जिसमें से सिर्फ छः शिकायतों का ही मौके पर निस्तारण हो सका , शेष 44 फरियादियों की शिकायतें सम्बंधित अधिकारियों को सौंप दी गई। शिकायतों में सबसे ज्यादा चौबीस शिकायत राजस्व एवं आपदा विभाग, संयुक्त जांच हेतु की छः शिकायतें, पुलिस विभाग की ग्यारह, ग्राम विकास विभाग की दो, खाद एवं रसद विभाग की चार, विधुत विभाग की दो,नगर विकास विभाग की एक, शिकायतें प्राप्त हुई , जिनमें से राजस्व विभाग की छः शिकायतों का ही मौके पर निस्तारण हो सका। इस समाधान दिवस में तहसीलदार गोला भीम चंद , पुलिस क्षेत्राधिकारी गवेन्द्र पाल गौतम,नायब तहसीलदार सर्वेश यादव, भानू प्रताप सिंह व अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों का स्वागत व शपथ ग्रहण का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। कांग्रेस की नव नियुक्त जिला व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों का स्वागत व शपथ ग्रहण कार्यक्रम लखीमपुर शहर के बिलोबी हाल में आयोजित किया गया द्य जिला व ब्लॉक कांग्रेस की कमेटी में सभी जातियों,वर्गो को कांग्रेस पार्टी की मंशा और संकल्प के अनुसार उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है द्य पूरे प्रदेश में संगठन सृजन अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है। जिला/शहर कार्यकारिणी के गठित होते ही संगठन सृजन अभियान का पहला चरण पूर्ण हो चुका है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत से हुई द्य तत्पश्चात सभी पदाधिकारियों को अपने कर्तव्यों और दायित्वों की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सतीश अज़मानी ने कहा '' कार्यक्रम का उद्देश्य है कि सभी पदाधिकारियों को उनके कार्य और जिम्मेदारियों की शपथ दिलाकर यह संकल्प दिलाया जाये कि आज भाजपा शासनकाल में जिस तरह से समाज में नफरत फैलाई जा रही है,। संविधान को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है, ऐसे दौर में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और गांधीवादी सिद्धान्तों को अपनाकर हम लडेंगे और देश में पुनः शांति,सद्भाव और प्रेम की स्थापना करेंगे । इस अवसर पर जिला फ्रंटल व प्रकोष्ठ प्रभारी श्री उमा शंकर पांडे ने कहा '' उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा रहा है। जहां एक ही मंच पर जिला/शहर कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर हम अपनी नेता श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कुशल नेतृत्व में, जननायक राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के सिद्धान्तों को समाहित करते हुए एवं श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा के उत्तर प्रदेश में संगठन सृजन के स्वप्न को पूर्ण करते हुए हम एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे। जिला अध्यक्ष प्रह्लाद पटेल ने कहा '' हम संकल्पित हैं कि आगामी 15 अगस्त तक हम बूथ स्तर तक कमेटियां गठित कर एक मजबूत और जमीनी संगठन का निर्माण करेंगे। आने वाले पंचायत चुनाव में हम पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान से हुआ द्य कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उप्रेती ने किया द्य कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष इकबाल अहमद, डॉ रवि शंकर त्रिवेदी, मोनिस अली नकवी, बलराम गुप्ता, शिव सहाय सिंह, दीपक बाजपेयी, अमित गुप्ता, रमाकांत गुप्ता, कोमल सिंह, किरन पटेल, प्रेम वर्मा, अब्दुल रहीम, इकबाल अहमद, मंजु मिश्रा, रवि तिवारी, जावेद अली खां,नवाज़ खान, विपुल गुप्ता, गौरव मिश्रा ,रघुनंदन राज पासी कार्यक्रम में उपस्थित रहे द्य

जंगल से निकले हाथियों के झुंड ने रौंदी किसानों की फसल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। दुधवा जंगल से निकलकर जंगली हाथियों का झुंड किसानों के खेतों में पहुंचा और किसानों के खेतों में खड़ी गन्ने की फसल को अपने पैरों तले रौंदकर बर्बाद कर दिया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मौका मुआयना करते हुए पीड़ित ग्रामीणों को मुआवजा दिलवाए जाने का आश्वासन दिया है। दुधवा जंगल से निकलकर आए दिन जानवर आबादी की ओर आ जाते हैं। कभी शिकारी जानवर ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल कर देता है तो कभी उनके पशुओं को मौत के घाट उतार देता है। इतना ही नहीं बाघ तो कई ग्रामीणों की जान भी ले चुके हैं। इसके साथ ही जंगली हाथियों का झुंड किसानों के खेतों में पहुंचकर उनकी फसलों को अपने पैरों तले रौंदकर बर्बाद कर देता है। शुक्रवार की रात जंगल से निकला जंगली हाथियों का झुंड मझगई के तिकोना फार्म निवासी बलदीप सिंह के गन्ने के खेत में जा पहुंचा हाथियों के झुंड ने तीन एकड़ फसल को अपने पैरों तले रौंदकर नष्ट कर दिया। ग्रामीण मैकू के खेत में भी हाथियों ने उत्पात मचाकर फसलों व पौधों को नुकसान पहुंचाया। हाथियों की चिंघाड़ सुनते ही आस पड़ोस के अन्य लोग बाहर निकले और गोले ट्रैक्टर आदि का सहारा लेकर उन्हें भगाने में कामयाबी हासिल कर सके।

भीरा में वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत निकाली गई जागरूकता रैली

पलियाकलां खीरी। भीरा में पौधरोपण महा अभियान एक पेड़ मां के नाम वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली के साथ पौधरोपण किया गया। शनिवार को भीरा वन विभाग द्वारा छाजू राम केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय भीरा प्रथम व विवेकानंद एकेडमी के छात्रों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। वन विभाग द्वारा विद्यालय में पौधरोपण करने के साथ-साथ छात्रों को घर में लगाने के लिए पौधे भी दिए गए। इस दौरान छाजू राम इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल मुकुट बिहारी मिश्रा, विवेकानंद एकेडमी के शिक्षक नरेन्द्र चंद जोशी, प्राथमिक विद्यालय भीरा प्रथम की प्रधानाध्यापिका सीमा अग्रवाल, स्फूर्ति दीक्षित, भीरा रेंजर विनय कुमार, डिप्टी रेंजर अखिलेश शर्मा सहित छात्र छात्राएं विद्यालय स्टॉफ एवं वन विभाग स्टॉफ मौजूद रहे।

सरकारी वाहन न होने से अजान चौकी में गश्त प्रभावित, अपराध बढ़ने की आशंका

- बाघ की चहल कदमी के चलते पुलिसकर्मियों को बाइक से रात्रि गस्त से हो सकता है खतरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। थाना हैदराबाद अंतर्गत पुलिस चौकी अजान इन दिनों संसाधनों के अभाव से जूझ रही है। चौकी में सरकारी जिप्सी वाहन न होने की वजह से पुलिस गश्त (पेट्रोलिंग) बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इसका सीधा असर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गश्त न होने के कारण क्षेत्र में चोरी, मारपीट और छोटे-मोटे विवाद की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। आपराधिक घटनाओं के दौरान पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंच पा रही, जिससे लोगों में असंतोष और भय का माहौल बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, अजान चौकी में पहले एक पुरानी सरकारी जिप्सी थी, जिसे वाहन की जर्जर स्थिति के चलते कुछ समय पूर्व लखीमपुर पुलिस लाइन में भेज दिया गया। नई गाड़ी अब तक चौकी को नहीं मिली है। ऐसे में पुलिसकर्मी निजी वाहनों और मोटरसाइकिलों के सहारे गश्त करने को मजबूर हैं। मोटरसाइकिल से गस्त करने पर शेरों का खतरा बना रहता है। वहीं चौकी क्षेत्र में पिछले काफी समय से खूंखार बाघों की मौजूदगी ने मौजूदा पुलिस कर्मियों को बाइक से रात्रि गस्त करना खतरे से खाली नहीं होगा, ज्ञात हो कि बाघ के हमले में दो किसानों की जाने जा चुकी है।दो शावकों सहित पकड़ी गई एक बाघिन के आलावा और भी वन्य जीवों की मौजूदगी वन विभाग जारी कर रहा है। एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह क्षेत्र बाघ प्रभावित क्षेत्र है जिसके चलते मोटरसाइकिल से गस्त करना खतरे से खाली नहीं है। फिर भी गस्त तो करनी ही है। वहीं वाहन की कमी के कारण रात्रि गश्ती भी प्रभावित हो रही है। कई बार आपराधिक घटनाओं की सूचना मिलने के बावजूद पुलिस समय पर नहीं पहुंच पाती। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अजान चौकी को नया सरकारी वाहन उपलब्ध कराया जाए ताकि क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

आनलाइन उपस्थिति का शिक्षकों ने एक स्वर में किया विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अतर्रा/बांदा। बांदा कस्बे के ब्रह्म विज्ञान इंटर कालेज में बांदा जनपद के सभी प्रधानाचार्यों की बैठक सम्पन्न हुइर्। जिसमें शासन द्वारा आनलाइन उपस्थिति का एक स्वर से विरोध किया गया। क्योंकि शिक्षकों की उपस्थिति पहले से मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से जा रही है तथा छात्रों की उपस्थिति बिना संसाधनों के अव्यावहारिक है। साथ ही बैठक में प्रधानाचार्य परिषद की नई कार्यकारिणी का भी सर्वसम्मति से गठन किया गया, ब्रह्म विज्ञान इ का अतर्रा के प्रधानाचार्य शिवदत्त त्रिपाठी को अध्यक्ष, जे पी शर्मा इण्टर कालेज बबेरू के प्रधानाचार्य डाक्टर श्याम मनोहर राव को उपाध्यक्ष, इण्टर कालेज तिन्दवारी के प्रधानाचार्य डाक्टर अवधेश कुमार को सचिव, राजकुमार इ का नरैनी के प्रधानाचार्य राकेश कुमार पटेल को उप सचिव, डीएवी इण्टर कालेज बांदा के प्रधानाचार्य डाक्टर आनन्द कुमार को कोषाध्यक्ष तथा तथागत इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य रामकेश कुशवाहा को आयव्यय निरीक्षक नियुक्त किया गया। चिल्ला इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डाक्टर श्रीगणेश सिंह, बजरंग इ का बांदा के प्रधानाचार्य मेजर मिथलेश कुमार पाण्डेय, गिरवां इ का के प्रधानाचार्य श्रीगणेश द्विवेदी, इ का पनगरा के प्रधानाचार्य राजकिशोर शुक्ला, ने अलग अलग पदों का नाम प्रस्तावित किया सभी प्रधानाचार्यो ने हांथ उठाकर समर्थन किया। किसान इ का नौहाई के प्रधानाचार्य मनोज कुमार मिश्र, इ का मिलाथू के प्रधानाचार्य मनोज चक्रवर्ती, इ. का मुरवल के प्रधानाचार्य विजय कुमार, विवेकानंद इ का नरैनी के प्रधानाचार्य सौरभ निगम, इ का खुरहण्ड के प्रधानाचार्य दादूराम वर्मा, इ का चंदवारा के प्रधानाचार्य अजीत कुमार, सरस्वती इ का अतर्रा के प्रधानाचार्य गोपाल कृष्ण पाण्डेय, इ का गर्गपुर के प्रधानाचार्य उमाशरण गर्ग, ब्यौंजा के प्रधानाचार्य महेश प्रसाद, खप्टिहाकला के प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार, छेदीलाल इ का अतर्रा के प्रधानाचार्य शिवाकान्त शास्त्री,सहित सभी प्रधानाचार्यो ने अपने विचार रखे। इ का बिसण्डा के प्रधानाचार्य डाक्टर योगेन्द्र कुमार मिश्र, बालिका इ का नरैनी के प्रधानाचार्य गोरेलाल गुप्ता, आर्यकन्या इ का बांदा की प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम गुप्ता, लवकुश उ मा विद्यालय अतर्रा के प्रधानाचार्य लल्लूराम कुशवाहा, इ का बदौसा के प्रधानाचार्य अशोक शुक्ला जी सहित जनपद के शिक्षकों और प्रधानाचार्यो ने बधाई दी।बीरेंद्र दीक्षित, अरुण कुमार, रजत त्रिपाठी, सन्तोष कुमार, जेपी कोमल श्याम निगम विद्यालय के शिक्षकों ने बैठक में सहयोग किया।

बाइक सवार दो लोग भैंस से टकराए, एक की मौत दूसरा घायल

बबेरू/बांदा। कमासिन थाना क्षेत्र के कठार व कल्लूपुर गांव के बीच बाइक सवार दो लोग की भैंस से टक्कर हो गई, बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं दूसरा घायल हो गया। कमासिन थाना क्षेत्र के पछौहा गांव के रहने वाले संजय पुत्र होरीलाल उम्र 28 वर्ष से यह अपने रिश्तेदार शोभा पुत्र भोला उम्र 50 वर्ष, निवासी बबेरू यह एक ही बाइक में सवार होकर शुक्रवार की शाम दोनों लोग फतेहपुर जनपद के पहाड़पुर से बाइक में सवार होकर पछौहा गांव जा रहे थे। तभी कल्लूपुर व कठार गांव के बीचो-बीच अचानक बाइक के सामने भैंस आ गई। जिससे बाइक चालक ने ब्रेक लिया, तभी तुरंत अनियंत्रित होकर सीधा बाइक भैंसे से टकरा गई। जिसमें दोनों व्यक्ति रोड में गिर पड़े, राहगीरों के द्वारा पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमासिन भेजा गया।

बोर्ड बैठक में कई प्रस्तावों पर बनी सहमति नगर पालिका में बोर्ड बैठक का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। नगर पालिका सभागार में चेयरमैन लक्ष्मी देवी गुप्ता और ईओ की मौजूदगी में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बोर्ड बैठक में शामिल सभासदों ने नगर के विकास को लेकर कई प्रस्ताव रखे जिन पर विचार-विमर्श के बाद सहमति जताई गई। शनिवार को नगर पालिका सभागार में बोर्ड बैठक पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अधिशासी अधिकारी विजय बहादुर यादव भी मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष की अनुमति से सभासदों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार विमर्श हुआ जिसमें सभी वार्डो में सड़क व नालियों की मरम्मत के कार्य, रात्रि सफाई व्यवस्था के लिए वैक्यूम ऑपरेटेड गार्बेज सक्शन मशीन की क्रयदारी, नगर में आपदा प्रबन्ध के लिये समुचित तैयारियों, फूड स्ट्रीट हब बनाने, जिला पंचायत बलिका इंटर कॉलेज टेहरा के सामने वेस्ट टू वन्डर पार्क का निर्माण, मोहल्ला टेहरा में स्थित जर्जर हो चुके काजी हाउस के स्थान पर डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण आदि प्रस्ताव पारित किये गए।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कराया मृतक गौवंश का अंतिम संस्कार

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के सिकंदराबाद रोड पर ग्राम अलियापुर के पास एक मृतक गौवंश के पड़े होने की जानकारी राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया को प्राप्त हुई। जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने अपने संगठन के कार्यकर्ताओ को घटनाग्रस्त जगह पर भेजकर उपजिलाधिकारी के माध्यम से जेसीबी भेजकर जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा,गगन कुमार,शिवम श्रीवास्तव,अमन कुमार,आशीष कुमार व पुलिस की मौजूदगी में मृतक गौवंश का अंतिम संस्कार किया गया।

पुलिस द्वारा दो वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी के आदेशानुसार वांछित/वारण्टी अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत गोला पुलिस टीम द्वारा दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। प्र0 नि0 अम्बर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया शनिवार को वारण्टी अभि0 जमुना प्रसाद पुत्र छोटेलाल नि0 ग्राम भैठिया थाना गोला से वारन्ट दिखाकर पुलिस ने हिरासत में लिया गया । धारा 26 एफ0 एक्ट का वारण्टी अभि0 रामविलास पुत्र इतवारी नि0 ग्राम नाथूपुर थाना गोला को उसके घर से वारन्ट दिखाकर हिरासत में पुलिस ने लिया गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

पलिया के मोबाइल दुकानदार को ले गई जयपुर पुलिस

पलियाकलां खीरी। राजस्थान के जयपुर जिले में मोबाइल लूट की घटना में शामिल एक मोबाइल पलिया के एक दुकानदार के पास से बरामद हुआ है। जयपुर पुलिस दुकानदार को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। जयपुर के मणिपुर थाने में लगभग डेढ़ महीना पहले एक भाजपा नेता के पीए के घर पर लूट हुई थी। लूट की इस घटना में कई मोबाइल भी लूटे गए थे। उनमें से एक मोबाइल पलिया पुलिस चौकी के पीछे एक दुकानदार के पास से बरामद हुआ है। राजस्थान पुलिस ने सर्विलांस के जरिए मोबाइल को ट्रेस किया और उसके बाद आरोपित को पकड़ने के लिए गुरुवार को पलिया पहुंच गई। जयपुर पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से निखिल गुप्ता को उसके मोबाइल शाप से पकड़ा और पूछताछ के लिए अपने साथ जयपुर ले गई। पुलिस के मुताबिक जो मोबाइल बरामद किया गया है वह मोबाइल जयपुर में दो जगह बिका था और उसके बाद उसे सीतापुर के एक व्यक्ति ने खरीदा और अब वह निखिल के पास था। जयपुर पुलिस ने मोबाइल बरामद करने के बाद उसकी पूरी लोकेशन बताई थी कि वह कब कब कहां पर उपयोग किया गया। मोबाइल के साथ दुकान मालिक को भी जयपुर पुलिस साथ लेकर वापस चली गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि जयपुर पुलिस आई थी। लूटा गया एक मोबाइल पुलिस चौकी के पीछे स्थित एक मोबाइल की दुकान से बरामद हुआ है। पलिया पुलिस भी उनके साथ गई थी और दुकान मालिक व मोबाइल के साथ चौकी पर लेकर आए थे। उसके बाद आरोपित को लेकर जयपुर चले गए हैं।

हैदराबाद थाना पीस कमेटी बैठक से पत्रकार नदारद, संवादहीनता पर उठे सवाल

अजान खीरी। मोहर्रम जैसे संवेदनशील पर्व के मद्देनज़र हैदराबाद थाना परिसर में शांति समिति ''पीस कमेटी,, की बैठक बुलाई गई, परंतु इस महत्वपूर्ण बैठक में स्थानीय पत्रकारों को आमंत्रित नहीं किया गया। इस रवैये ने थाना प्रशासन और मीडिया के बीच संवादहीनता को उजागर कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, थाना स्तर पर आयोजित होने वाली पीस कमेटी की बैठकें क्षेत्रीय सौहार्द और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बेहद अहम होती हैं। इनमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं, समाजसेवियों और मीडिया की मौजूदगी अपेक्षित रहती है। ऐसे में पत्रकारों की अनुपस्थिति ने न केवल पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पुलिस-मीडिया संबंधों की स्थिति को भी कटघरे में ला खड़ा किया है।विशेष रूप से तब, जब पुलिस विभाग अक्सर अपने ''गुडवर्क'' यानी उपलब्धियों को प्रमुखता से मीडिया में प्रचारित करने के लिए प्रेस नोट्स और वार्ताएं आयोजित करता है।

मुझे चुनौतियां पसंद हैं, मुझे जिम्मेदारी पसंद है : सिराज

एजेंसी

बर्मिंघम। घर के बाहर जब भी मोहम्मद सिराज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरते हैं तो उनमें एक अलग ही निखार देखने को मिलता है या यूं कहें वह एक अलग ही तरह से जिम्मेदारी लेते दिखते हैं। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शुक्रवार को सिराज ने अपने टेस्ट करियर में तीसरी बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए। मैच के बाद सिराज ने कहा कि जब भी चुनौती आती है तो उनको वह पसंद आती है, क्योंकि उन्होंने जिंदगी में भी काफी चुनौतियां झेली हैं। सिराज ने मैच के बाद जियो हॉटस्टार पर दीप दासगुप्ता से बातचीत में कहा, ''हां, बिलकुल जब आपके साथ आकाश दीप हो जो तीन-चार टेस्ट ही खेला हो, प्रसिद्ध कृष्णा हो जो दो-तीन मैच ही खेला हो, तो मेरे 38 मैच हो गए हैं, तो मैं जिम्मेदारी ले रहा था। मेरा भी मन करता है कि बोर्ड पर 600 रन हैं तो मैं कुछ अलग करूं, मेरा बस यही था कि दबाव बनाकर रखूं, अगर मुझे विकेट नहीं मिल रहा है तो जो मेरे साथ गेंदबाजी कर रहा है उसको विकेट मिले। घर के बाहर बुमराह के साथ खेलने पर सिराज की औसत 32.4 की है लेकिन जब वह बुमराह के बिना उतरते हैं तो औसत 23.3 की हो जाती है। यानि बुमराह के बिना वह ज्यादा प्रभावित करते हैं। इसको लेकर उन्होंने कहा, ''ये तो केवल आंकड़ें है लेकिन मुझे चुनौतियां पसंद हैं, जहां से मैं आता हूं मैंने जिंदगी में काफी चुनौतियां झेली हैं, वहां से उबरकर आया हूं, तो मुझे चुनौतियां पसंद हैं। सिराज के लिए इंग्लैंड में यह पहली बार पारी में पांच विकेट हैं, इससे पहले वह दो बार एक विकेट से यह क़ामयाबी हासिल करने से चूक गए थे। लेकिन सिराज इस मुकाम को हासिल करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सिराज ने कहा, ''मैं बहुत समय से इंतज़ार कर रहा था, गेंदबाज़ी अच्छी कर रहा था लेकिन पांच विकेट नहीं मिल पा रहे थे। लॉर्ड्स में भी चार विकेट थे, यहां पर भी पहले चार विकेट मेरे नाम थे। अब अच्छा लग रहा है। विकेट धीमा था और जिम्मेदारी मेरे पास थी। मैं बस एक ही जगह पर गेंद करने की कोशिश कर रहा था। मैं अपनी ओर से अधिक कुछ नहीं करने का प्रयास कर रहा था। इससे टीम में भी आत्मविश्वास आता है और माहौल भी बदल जाता है।

सबालेंका ने स्थानीय दावेदार राडुकानु को दी शिकस्त

लंदन। शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका ने विम्बलडन में स्थानीय दावेदार एम्मा राडुकानु के शानदार सफर को विम्बलडन में 7-6(6) 6-4 की जीत के साथ रोक दिया। ऑल इंग्लैंड क्लब में दो बार की सेमीफाइनलिस्ट सबालेंका ने शुक्रवार रात को दोनों सेटों में 2021 यूएस ओपन चैंपियन के खिलाफ जोरदार वापसी की। राडुकानु 18 साल की उम्र में यूएस ओपन में एक क्वालीफायर के रूप में अपने खिताब के बाद से अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रही थीं। राडुकानु 74 मिनट के पहले सेट में एक समय 4-2 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने अगले 12 में से 11 अंक हासिल कर 5-4 की बढ़त बना ली। राडुकानु इसके बाद टाईब्रेकर में भी 6-5 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने शानदार वापसी कर अंतिम तीन अंक को जीत कर बढ़त कायम की। तीन बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने इसके बाद दूसरे सेट में ब्रिटेन की खिलाड़ी को ज्यादा मौके नहीं दिये। सबालेंका पिछले लगातार तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं, जिसमें उन्होंने पिछले साल सितंबर में यूएस ओपन जीता था।

श्रीकांत शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन को हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी

कैलगरी। भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोऊ टिएन चेन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता और इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने शुक्रवार रात को 43 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को 21-18, 21-9 से हराया। वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत का फाइनल में जगह बनाने के लिए अब जापान के तीसरे वरीय केंटा निशिमोटो से मुकाबला होगा। इससे पहले 2022 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने 79 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में निशिमोटो से 15-21 21-5 17-21 से हारने से पहले उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। महिला एकल में श्रीयांशी वलिसेट्टी का प्रभावशाली प्रदर्शन डेनमार्क की अमाली शुल्ज से हारने के बाद समाप्त हो गया। श्रीकांत ने चेन के खिलाफ शानदार शुरुआत करते हुए 5-0 की बढ़त हासिल की लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने वापसी करके स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। श्रीकांत ने हालांकि अगले छह में से पांच अंक लेकर गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली और इसके बाद भी अपना दबदबा कायम रखते हुए 19-7 की बढ़त बनाकर मैच आसानी से अपने नाम कर लिया।

दीप्ति शर्मा बनीं महिला टी 20 आई में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज़

एजेंसी

नई दिल्ली। लंदन के द ओवल में शुक्रवार को इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान भारत की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने करियर का 144वां विकेट लेकर महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज़ बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की पूर्व कप्तान निदा डार की बराबरी भी कर ली। महिला टी20आई में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व तेज गेंदबाज़ मेगन शट के नाम है, जिन्होंने 151 विकेट लिए हैं। दीप्ति शर्मा महिला टी20आई में 100 विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज़ भी हैं। अब उनके बाद राधा यादव इस सूची में शामिल होने वाली दूसरी भारतीय गेंदबाज़ बन गई हैं, जिन्होंने इस मैच में इंग्लैंड की स्टैंड-इन कप्तान टैमी ब्यूमोंट को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। 27 वर्षीय दीप्ति ने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने पहले चार ओवर के स्पेल में 19 रन देकर एक विकेट लिया था। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी प्रदर्शन 4 विकेट पर 10 रन है, जो उन्होंने नवंबर 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल किया था।

महिला क्रिकेट: तीसरे टी20 में अंतिम गेंद पर जीता इंग्लैंड, भारत को सीरीज जीतने से रोका

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे टी20 में भारत को रोमांचक अंतिम गेंद वाले मुकाबले में 5 रन से हराकर सीरीज में पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ मेज़बान टीम ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में अपना खाता खोला।

इस मुकाबले में इंग्लैंड की गेंदबाज़ी की कमान सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फाइलर ने संभाली। एक्लेस्टोन ने जहां किफायती गेंदबाज़ी की, वहीं फाइलर ने अहम मौकों पर विकेट निकालकर भारत को जीत से दूर रखा। 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शानदार शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना (56 रन, 49 गेंद) और शेफाली वर्मा (47 रन, 25 गेंद) ने एक और अर्धशतकीय साझेदारी की। शेफाली अर्धशतक से चूक गईं, उन्हें एक्लेस्टोन ने पवेलियन भेजा। तीसरे नंबर पर उतरीं जेमिमा रोड्रिग्स (20 रन, 15 गेंद) पिछले मैच में अर्धशतक जमाने के बाद अच्छे फॉर्म में दिख रही थीं, लेकिन फाइलर ने स्मृति के बाद उन्हें भी जल्द आउट कर भारत की उम्मीदों को झटका दिया। हालांकि इंग्लैंड की फील्डिंग में कई कैच छूटे, लेकिन लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने स्लोअर गेंदों का चतुराई से इस्तेमाल करते हुए मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचा दिया। आखिरी गेंद पर भारत को जीत के लिए 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23 रन, 17 गेंद) छक्का नहीं लगा सकीं। इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहली बार बल्लेबाज़ी का फैसला किया। चोटिल नैट स्किवर-ब्रंट की अनुपस्थिति में इंग्लैंड की सलामी जोड़ी सोफिया डंकली (75 रन, 53 गेंद) और डैनी वायट-हॉज (66 रन, 42 गेंद) ने ताबड़तोड़ शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 137 रन जोड़े। 16वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने डंकली को कैच आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद इंग्लैंड की पारी बिखर गई और उसने अगले 31 रन में 8 विकेट गंवा दिए। भारत की ओर से अरूंधति रेड्डी (3/32), दीप्ति शर्मा (3/27), एन. श्री चरणी (2/43), और राधा यादव (1/15) ने शानदार गेंदबाज़ी की और इंग्लैंड की मिडिल और लोअर ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार की बेटी संगीता राणा जापान के हिमेजी में करेंगी स्वर्ण पदक की दावेदारी

हरिद्वार। हरिद्वार की अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टर संगीता राणा ने आज तड़के जापान के हिमेजी शहर की धरती पर कदम रखे, जहां वे एशियन-अफ्रीकन-पैसिफिक मास्टर्स एंड क्लासिक पावरलिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वे मास्टर-1 डिवीजन (69 किलोग्राम भार वर्ग) की क्लासिक व इक्विप्ड स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदकों के लिए मजबूत दावेदारी पेश करेंगी। अरुण कुमार पाठक ने बताया कि वर्ष 2023 में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रतिष्ठित तीलू रौतेली सम्मान और सुषमा स्वराज एवार्ड से सम्मानित संगीता राणा ने सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में तीन पदक और अलमाटी (कजाखस्तान) में विश्वकप पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक, ओवरऑल चैम्पियनशिप और स्ट्रांग वूमैन के खिताब भी हासिल किए हैं। रानीपुर की टिहरी विस्थापित कॉलोनी की निवासी संगीता वर्तमान में अपने खेल को बढ़ावा देने के साथ-साथ कई बालक-बालिकाओं और युवा खिलाड़ियों को पावरलिफ्टिंग के गुर सिखा रही हैं। साथ ही, वह अपने दो पुत्रों को मातृत्व भी प्रदान कर रही हैं।

भारत ए के कप्तान संजय ने कहा यूरोप दौरे से बेंच स्ट्रेंथ तैयार होगी

बेंगलुरू। भारत ए पुरुष हॉकी टीम के कप्तान संजय का मानना है कि यूरोप के आगामी दौरे में खिलाड़ियों को खुद को परखने का मौका मिलेगा और इससे सीनियर टीम के लिए अच्छी बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने में मदद मिलेगी। भारत ए' पुरुष टीम आठ से 20 जुलाई तक होने वाले दौरे के लिए शनिवार सुबह नीदरलैंड के आइंडहोवन के लिए रवाना हुई। संजय ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''इस दौरे से हमें अपने मजबूत और कमजोर पक्षों को समझने का मौका मिलेगा। हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। इससे हमें यह आकलन करने का मौका मिलेगा कि हमारे खिलाड़ी किस स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, '' इस तरह के अंतरराष्ट्रीय अनुभव से हमें टीम को मजबूत बनाने और सीनियर टीम के लिए अच्छी बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने में मदद मिलेगी। भारतीय टीम अपने इस दौरे में यूरोप के तीन शहरों में कुल आठ मैच खेलेगी। वह आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ आइंडहोवन में दो-दो मैच, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ क्रमशः एम्सटेलवीन (नीदरलैंड) और एंटवर्प (बेल्जियम) में एक-एक मैच खेलेगी।

जीटीआरआई ने अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित कृषि उत्पादों के आयात के प्रति आगाह किया

नयी दिल्ली। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने शनिवार को आगाह किया कि प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कृषि उत्पादों को अनुमति देने से भारत पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इससे यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे क्षेत्रों में देश के कृषि निर्यात पर असर पड़ सकता है। भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसकी घोषणा नौ जुलाई से पहले होने की उम्मीद है। जीटीआरआई ने कहा कि पशु आहार के लिए सोयाबीन भोजन और डिस्टिलर्स सूखे अनाज के साथ घुलनशील (डीडीजीएस) जैसे जीएम उत्पादों के आयात की अनुमति देने से ईयू को भारत के कृषि निर्यात प्रभावित होंगे, जो भारतीय निर्यातकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। डीडीजीएस एथनॉल उत्पादन के दौरान बनाया गया एक उप-उत्पाद है, जो आमतौर पर मकई या अन्य अनाज से बनता है। यूरोपीय संघ में जीएम लेबलिंग के सख्त नियम हैं और जीएम से जुड़े उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं में सख्त प्रतिरोध है। भले ही जीएम फ़ीड की अनुमति है, लेकिन कई यूरोपीय खरीदार पूरी तरह से जीएम-मुक्त आपूर्ति शृंखलाओं को प्राथमिकता देते हैं। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की खंडित कृषि-लॉजिस्टिक्स और पृथक्करण बुनियादी ढांचे की कमी क्रॉस-संदूषण की संभावना को बढ़ाती है, जिससे निर्यात खेपों में जीएम की मौजूदगी का खतरा है। उन्होंने कहा, इससे निर्यात रद्द हो सकता है, जांच की लागत बढ़ सकती है और भारत की जीएमओ-मुक्त छवि को नुकसान पहुंच सकता है, खास तौर पर चावल, चाय, शहद, मसाले और जैविक खाद्य पदार्थों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। मजबूत 'ट्रेसेबिलिटी' और 'लेबलिंग सिस्टम' के बिना जीएम फ़ीड आयात यूरोपीय संघ में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचा सकता है। आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें, पौधे के डीएनए में विशिष्ट जीनों को सम्मिलित करके बनाई जाती हैं, जो अक्सर बैक्टीरिया, विषाणु, अन्य पौधों या कभी-कभी जानवरों से प्राप्त होते हैं, ताकि नए गुण, जैसे कीट प्रतिरोध या शाकनाशी सहिष्णुता, उत्पन्न किए जा सकें। उदाहरण के लिए, बैसिलस थुरिंजिएंसिस नामक जीवाणु से प्राप्त बीटी जीन पौधे को कुछ कीटों के लिए विषैला प्रोटीन बनाने में सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि मिट्टी के जीवाणुओं सहित अन्य जीनों का उपयोग फसलों को शाकनाशियों के प्रति प्रतिरोधी बनाने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि जीएम फसलें जैविक रूप से पौधों पर आधारित हैं और शाकाहारी भोजन के रूप में कार्य करती हैं, लेकिन तथ्य यह है कि उनमें से कुछ में पशु मूल के जीन होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे उन समुदायों या व्यक्तियों को स्वीकार्य नहीं हो सकते हैं जो शाकाहार की धार्मिक या नैतिक परिभाषाओं का कड़ाई से पालन करते हैं। श्रीवास्तव ने आगे कहा कि शोध से पता चलता है कि जीएम डीएनए पाचन के दौरान टूट जाता है और पशु के मांस, दूध या उत्पाद में प्रवेश नहीं करता है। उन्होंने कहा, इसलिए, दूध या चिकन जैसे खाद्य पदार्थों को जीएम के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है, भले ही जानवरों को जीएम फ़ीड खिलाया गया हो। हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि यह उन उपभोक्ताओं के लिए रेखा को धुंधला कर देता है जो जीएम-संबंधित उत्पादों से पूरी तरह बचना चाहते हैं।

रोजमर्रा की जरूरत के सामान पर मौसम का असर जून तिमाही में राजस्व वृद्धि दर घटने का अनुमान

एजेंसी

नयी दिल्ली। रोजमर्रा की जरूरत का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों का अनुमान है कि जून तिमाही में उनकी राजस्व वृद्धि प्रभावित होगी।

उनका कहना है कि बेमौसम बारिश, गर्मियों की अवधि कम होना और प्रमुख कच्चे माल पर मुद्रास्फीति का दबाव जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण ऐसा हो सकता है। हालांकि, एफएमसीजी उद्योग ने तिमाही के दौरान मांग में क्रमिक सुधार देखा, जिसमें विशेष रूप से शहरी बाजारों में मात्रा के लिहाज से बिक्री तेजी से बढ़ी। मैरिको, डाबर और गोदरेज कंज्यूमर जैसी प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों का मार्जिन मानक स्तर से नीचे रहा, और उनका अनुमान है कि अप्रैल-जून में मात्रा के लिहाज से कम एक अंकों की वृद्धि होगी। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को उम्मीद है कि जून तिमाही में भारत के कारोबार से उसका मार्जिन 'मानक सीमा' से नीचे रहेगा, लेकिन मात्रा के लिहाज से बिक्री बढ़ने के कारण उच्च एक अंकों की मूल्य वृद्धि हो सकती है। दूसरी ओर डाबर के एकीकृत राजस्व में पेय पदार्थों की बिक्री उम्मीद से कम रहने के कारण कम एक अंकों की वृद्धि होने का अनुमान है। पेय पदार्थों की बिक्री बेमौसम बारिश और छोटी गर्मी के कारण प्रभावित हुई।

नवीन ऊर्ज़ा, एआई अवसंरचना से रिलायंस का बाजार मूल्य 50 अरब डॉलर बढ़ेगा

नयी दिल्ली। नवीन ऊर्ज़ा और कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निवेश से कंपनी के बाजार मूल्य में अनुमानित 50 अरब डॉलर की वृद्धि होने की उम्मीद है। वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अरबपति मुकेश अंबानी द्वारा संचालित तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र की यह कंपनी मूल्य सृजन के अपने अगले चरण के लिए कमर कस रही है। वर्तमान में 240 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की रिलायंस की भविष्य की वृद्धि इसके विविध कार्यक्षेत्रों, विशेष रूप से नवीन ऊर्ज़ा और एआई के विस्तार पर निर्भर करती है। सृजन से जुड़ी (जेन) एआई रिलायंस के लिए अगला मोर्चा है क्योंकि यह जामनगर ऊर्ज़ा परिसर को अपने ऊर्ज़ा उत्पादन का मौद्रिकरण करने के लिए फिर से तैयार कर रहा है, जो जनरल एआई रैंप के लिए वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख बाधा है।

पाकिस्तान, अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता का महत्वपूर्ण दौर संपन्न

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अमेरिका ने व्यापार वार्ता का महत्वपूर्ण दौर पूरा कर लिया है। शनिवार को समाचार पत्र 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के साथ पाकिस्तान की एक ऐसे समझौते पर सहमति बन गई है जो उसके प्रमुख निर्यात क्षेत्रों के भविष्य को आकार दे सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि दोनों पक्ष एक समझौते पर पहुंच गए हैं, लेकिन औपचारिक घोषणा तभी होने की उम्मीद है जब अमेरिका अन्य व्यापार साझेदारों के साथ चल रही इसी तरह की वार्ता पूरी कर लेगा। यह सहमति वाशिंगटन में वार्ता समाप्त होने की नौ जुलाई की समय सीमा से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बनी। वार्ता में वाणिज्य सचिव जवाद पाल ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, ताकि दीर्घकालिक जवाबी शुल्क समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। इस समझौते से पाकिस्तानी निर्यात, मुख्य रूप से वस्त्र और कृषि उत्पादों पर 29 प्रतिशत शुल्क को पुनः लागू होने से रोकेगा। इस वर्ष की शुरुआत में अस्थायी रूप से रोकी गई शुल्क राहत के समाप्त होने का खतरा था, यदि नौ जुलाई तक कोई प्रगति नहीं हुई। वार्ता से परिचित अधिकारियों ने कहा कि चार दिवसीय वार्ता सफल रही, जिसमें दोनों पक्ष एक व्यापक रूपरेखा पर सहमत हुए। इस समझौते पर हस्ताक्षर होने पर पाकिस्तान द्वारा अमेरिकी वस्तुओं ऽ विशेष रूप से कच्चे तेल के आयात में वृद्धि हो सकती है, तथा पाकिस्तान के खनन, ऊर्ज़ा और अवसंरचना क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश की संभावना बढ़ सकती है। रेको डिक कॉपर और गोल्ड माइन तथा संबंधित ऊर्ज़ा अवसंरचना जैसी परियोजनाएं चर्चा का केंद्र बिंदु रहीं। यह सौदा अमेरिकी निर्यात-आयात बैंक के माध्यम से विस्तारित भागीदारी का मार्ग भी प्रशस्त कर सकता है।

जेन स्ट्रीट जैसी प्रॉप दिग्गज कंपनियां पीछे हटीं तो खुदरा व्यापार असर संभव: जेरोधा सीईओ

नयी दिल्ली। जेरोधा के संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ ने चेतावनी दी है कि अगर जेन स्ट्रीट जैसी प्रोपराइटरी ट्रेडिंग फर्म बाजार में अपनी भागीदारी कम करती हैं, तो खुदरा व्यापार गतिविधि प्रभावित हो सकती है। गौरतलब है कि ये फर्म विकल्प कारोबार में मात्रा के लिहाज से लगभग 50 प्रतिशत का योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम का शेयर बाजारों और ब्रोकरों, दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कामथ ने एक्स पर कहा, जेन स्ट्रीट जैसी प्रॉप ट्रेडिंग फर्म का ऑप्शन कारोबार में मात्रा के लिहाज से लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा हैं। अगर वे पीछे हटती हैं, जो संभावित लगता है, तो खुदरा गतिविधि (करीब 35 प्रतिशत) भी प्रभावित हो सकती है।

केंद्र ने राज्यों से घटिया हेलमेट बेचने वाले विनिर्माताओं पर कार्रवाई करने को कहा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र ने राज्यों से दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घटिया हेलमेट बेचने वाले विनिर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ह्लउपभोक्ता मामलों के विभाग और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) देश भर के उपभोक्ताओं से केवल बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट का उपयोग करने की अपील करते हैं। विभाग ने बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना हेलमेट के विनिर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। विभाग ने कहा, ह्लभारतीय सड़कों पर 21 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन हैं, इसलिए सवार की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है। विभाग ने बताया कि घटिया हेलमेट की बिक्री सुरक्षा से समझौता करती है। वर्ष 2021 से एक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू है, जिसके तहत सभी दोपहिया वाहन चालकों के लिए बीआईएस मानकों के तहत प्रमाणित आईएसआई-चिह्नित हेलमेट अनिवार्य है। जून 2025 तक, पूरे भारत में 176 विनिर्माता हैं, जिनके पास सुरक्षात्मक हेलमेट के लिए वैध बीआईएस लाइसेंस हैं। बयान में कहा गया, ह्लविभाग ने पाया है कि सड़क किनारे बेचे जाने वाले कई हेलमेट में अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन का अभाव है, जिससे उपभोक्ताओं को काफी जोखिम होता है और सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की मौत हो जाती है। गुणवत्ता मानकों को लागू करने के लिए, बीआईएस नियमित रूप से कारखाने और बाजार की निगरानी करता है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान, 500 से अधिक हेलमेट नमूनों का परीक्षण किया गया और बीआईएस मानक चिह्न के दुरुपयोग के लिए 30 से अधिक तलाशी और जब्ती अभियान चलाए गए। दिल्ली में एक अभियान में, नौ विनिर्माताओं से 2,500 से अधिक गैर-अनुपालन वाले हेलमेट जब्त किए गए, जिनके लाइसेंस समाप्त हो चुके थे या रद्द कर दिए गए थे। अभियान में 17 खुदरा और सड़क किनारे के स्थानों पर इसी तरह की कार्रवाई में लगभग 500 घटिया हेलमेट जब्त किए गए। इससे पहले, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने जिला कलेक्टरों (डीसी) और जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम) को एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने और दोपहिया सवारों के लिए गैर-अनुपालन वाले हेलमेट बेचने वाले विनिर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए लिखा था। बीआईएस शाखा कार्यालयों को इस अभियान को सहयोग देने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभागों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

लघु संविधान-जरूरत या गलती

आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में किए गए संशोधन को लेकर छिड़ी बहस

अभयानंद शुक्ल
समन्वय सम्पादक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- संघ नेता दत्तात्रेय होसबोले के बयान के बाद देश में सियासी भूचाल आने के संकेत
- विपक्ष फिर भाजपा को घेरने में जुटा, भाजपा इसे ऐतिहासिक गलती बताने में जुटी
- संसद के मानसून सत्र में भी इस मुद्दे लेकर हो हल्ला मचने के भी मिल रहे संकेत

लखनऊ। देश में इस समय भारतीय संविधान बनाम लघु संविधान की बहस छिड़ी हुई है। संघ नेता दत्तात्रेय होसबोले के एक बयान के बाद दोनों तरफ से सियासी तलवारें खिंच गई हैं। भाजपा और संघ परिवार जहां इसे ऐतिहासिक गलती बता रहा है, वहीं कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर भाजपा को संविधान विरोधी बताने में जुटा है। दोनों तरफ से वार-पलटवार जारी है। संसद के मानसून सत्र में भी अन्य मुद्दों के साथ यह मुद्दा भी जोरदारी से उठाए जाने की संकेत दिखाई दे रहे हैं। विपक्ष को लगता है कि जिस प्रकार उसने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को संविधान विरोधी बताकर उसे कमजोर किया है, ठीक उसी तरह इस बार भी बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश की आगामी विधानसभा चुनावो किया जा सकता है। इसीलिए विपक्ष ने इस मुद्दे को बहुत मजबूती से पकड़ रखा है। दूसरी तरफ भाजपा आपातकाल के समय में संविधान के प्रस्तावना में किए गए इस संशोधन को ऐतिहासिक भूल बताते हुए इस पर कांग्रेस और तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार को कठघरे में खड़ा कर रही है। आपातकाल लगाने की तारीख के 50 वर्ष पूरा होने के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने एक बयान देकर ठहरे पानी में कंकड़ फेंक दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द जबरदस्ती डाले गए हैं। जबकि संविधान सभा में इस पर चर्चा हुई थी और बहुमत से खारिज कर दिया गया था। और बाद में इंदिरा गांधी सरकार ने अपनी सहूलियत के लिए संविधान का अपमान किया है। जानकारों का कहना है संविधान सभा में यह प्रस्ताव एक सदस्य के टी शाह ने रखा भी था, किंतु प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर इससे सहमत नहीं थे। उन्होंने यह कहते हुए इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया कि हमारे संविधान का मूल भाव ही यही है, इसलिए इसको अलग से डालने की कोई जरूरत नहीं है। बताते हैं कि संविधान सभा ने इस प्रस्ताव को बहुमत से खारिज कर दिया गया था। ऐसे में जब स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने आपातकाल के समय संविधान संशोधन कर प्रस्तावना में ये दोनों शब्द डाले तो अब उसकी संवैधानिकता पर सवाल उठने लगे हैं। संघ नेताओं का कहना है कि परिवर्तन बाबा साहेब की मंशा के खिलाफ था, ऐसा करके कांग्रेस ने बाबा साहेब का अपमान किया है। ऐसे में इस पर चर्चा की जरूरत है। कुल मिलाकर इस मुद्दे पर दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। संविधान के जानकार आपातकाल में किए गए इस संशोधन को लघु संविधान की संख्या देते हैं, क्योंकि इस संशोधन ने संविधान का मूल स्वरूप ही बदल दिया था। इस मामले में महत्वपूर्ण बात यह है कि होसबोले का समर्थन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी कर दिया है। उन्होंने भी कहा कि आपातकाल में संविधान की प्रस्तावना में हुए संशोधन पर चर्चा होना जरूरी है।

भारत की दिवंगत प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का लघु संविधान यानी भारतीय संविधान का 42 वां संशोधन, इस समय चर्चा में है। चर्चा शुरू हुई है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान से जिसमें उन्होंने कहा है कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष व समाजवादी शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े गए हैं, और ये बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मंशा के अनुरूप नहीं है। और अब समय आ गया है कि इस पर चर्चा होनी चाहिए। होसबोले के इस बयान को समर्थन देने हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने भी कहा है कि ये संशोधन आपातकाल के दौरान किए गए थे, इसलिए इन पर चर्चा होनी जरूरी है। हालांकि 18 दिसंबर 1976 को इस संविधान संशोधन के समय ही इंदिरा गांधी ने यह प्रावधान कर दिया गया था कि ये संशोधन न्यायिक समीक्षा से परे रहेंगे। शायद इसीलिए पूर्व सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने भी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते समय कहा था कि चूंकि अब ये संविधान का हिस्सा है, इसलिए इस पर सुनवाई का कोई मतलब है नहीं है। इस टिप्पणी के साथ उन्होंने याचिका खारिज कर दी। बीते 25 जून को आपातकाल लागू होने की तारीख के 50 साल पूरे होने पर संघ नेता होसबोले के बयान के बाद यह मामला एक बार फिर गर्म हो गया है। चुनावी मौसम है, इसलिए भी अधिक बयानबाजी हो रही है। ज्ञात हो कि इसी नवंबर में बिहार में विधानसभा चुनाव हैं, अगले साल पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव हैं। और उसके बाद 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के भी चुनाव हैं। ऐसे में इस पर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। भाजपा और संघ के नेता जहां इस पर चर्चा कराने पर जोर दे रहे हैं, वहीं विपक्ष के नेता भाजपा और संघ पर आरोप लगा रहे हैं कि वे मनुस्मृति से देश चलाना चाहते हैं, इनका संविधान में विश्वास नहीं है। उनका आरोप है कि संघ और भाजपा नेता बार-बार संविधान पर चोट करते हैं। विपक्ष ने संविधान की खिलाफत का ही आरोप लगाकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने आरोप लगाया गया था कि अगर भाजपा को अधिक सीटें मिलीं तो वे संविधान संशोधन कर ऐसी व्यवस्था कर देंगे कि दलितों , पिछड़ों और वंचितों का अधिकार और आरक्षण छिन जाएगा। विपक्ष ने यह भी आशंका जताई थी कि शायद इसके बाद फिर चुनाव ही न हो। विपक्ष के इस नैरेटिव से भाजपा को नुकसान भी हुआ और 400 सीटों की उम्मीद पालने वाली भाजपा को विपक्ष ने 240 सीटों पर ही रोक दिया था। अब इस समय एक बार फिर यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। इस विवाद का अंत जहां पर जाकर हो किंतु संघ नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इस चुनावी मौसम में यह बयान देकर माहौल गर्मा दिया है। इस पर चर्चा चाहने लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब देश में आपातकाल लगा हुआ था तब ही ये संशोधन क्यों किया गया। उनका तर्क है कि ऐसी स्थिति में तो सिर्फ आपातकालीन व्यवस्थाएं की जाती हैं। उन्हें स्थाई मान लेना संविधान निर्माताओं की मंशा और जनता के साथ धोखा माना जाएगा। इसके अलावा सवाल यह भी उठता है कि उस समय जब लोकसभा अस्तित्व में नहीं थी, और लगभग पूरा विपक्ष जेल में था तो संविधान संशोधन पास किसने किया। इस मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का कहना है कि संविधान की प्रस्तावना में इन शब्दों को जोड़कर बाबा साहब की सोच और समझ पर भी सवाल उठाए गए हैं। वैसे भी संविधान की प्रस्तावना में इन दोनों शब्दों का कोई मतलब नहीं है। ऐसे में इनके रहने पर नए सिरे से चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि यह बाबा साहेब द्वारा बनाए गए संविधान की मूल भावना के खिलाफ हैं। इसके अलावा एक टीवी चैनल के तात्कालिक सर्वे में भी यह बात सामने आई है कि देश के 75% लोग संविधान से इन दोनों शब्दों को हटाना चाहते हैं। इस सर्वे का सैंपल साइज 20000 का था। बताते हैं कि देश में आपातकाल लागू करने के बाद इंदिरा सरकार ने संविधान के 42वें संशोधन के जरिए प्रस्तावना में ये दो शब्द जोड़े थे। आरोप यह भी है कि उस समय विपक्ष के अधिकांश नेता जेल में बंद थे।? इसीलिए संशोधन की संवैधानिकता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

वैसे देश में जब जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस थे तब एक जनहित याचिका दाखिल कर संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गये इन दो शब्दों पर आपत्ति दर्ज कराते हुए इन्हें हटाने की मांग की गई थी। जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने तब कहा था कि चूंकि ये शब्द अब संविधान का हिस्सा हैं, इसलिए इस पर चर्चा नहीं की जा सकती। जस्टिस खन्ना की पीठ ने वह याचिका खारिज कर दी थी। इस पर कानून के जानकारों का कहना है कि चूंकि याचिका पर सुनवाई करते समय ये दोनों शब्द संविधान की प्रस्तावना का हिस्सा थे, इसलिए जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ कुछ नहीं कर सकती थी।? अब दत्तात्रेय होसबोले के बयान के बाद अब एक बड़ी बहस छिड़ गई है। पूरा विपक्ष भाजपा-संघ को संविधान विरोधी बताकर उनकी मंशा पर सवाल उठाने लगा है। पर, इस मामले में एक सवाल तो उठता है कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अनुयाई बनने वाली कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल क्या बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान को बदलकर बाबा साहब को गलत साबित करना चाहते हैं। सवाल यह भी उठता है कि क्या भाजपा और संघ इस मामले में बाबा साहेब द्वारा बनाए मूल संविधान को स्थापित करके बाबा साहब के समर्थकों की सहानुभूति जुटाना चाहते हैं। जहां तक संविधान की अवहेलना की बात है तो कांग्रेस पर आरोप है कि उसकी सरकारों ने देश की चुनी हुई लगभग 75 राज्य सरकारों को संविधान के अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल कर बर्खास्त कर दिया था। इसलिए अब कांग्रेस की मंशा पर भी सवाल उठ रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करने वाली कांग्रेस भी संविधान की बात करे तो हास्यास्पद लगता है। आरोप है कि संविधान को जेब में रखकर उस पर अमल न करने वाले राहुल गांधी अगर संविधान की रक्षा की बात करें तो हास्यास्पद लगता है। आरोप है कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान की मूल भावना को खत्म कर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को चोट पहुंचाया है। और जब ऐसी पार्टी संविधान की रक्षा की बात करती है तो सवाल उठना लाजिमी है।

इंदिरा गांधी की सरकार ने पास किया लघु संविधान

दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार द्वारा संविधान के प्रस्तावना में संशोधन और लोकसभा के कार्यकाल का विस्तार का प्रस्ताव एक ही तारीख में 18 दिसंबर 1976 को पारित किया गया। हालांकि लोकसभा का एक्सटेंशन 3 जनवरी 1977 से लागू हुआ, जब लोकसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा था। इन पारित संशोधनों को न्यायिक समीक्षा से भी अलग रखा गया था। इंदिरा गांधी सरकार ने भारत के संविधान की प्रस्तावना में 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के तहत भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्दों को जोड़ा। इस संशोधन को ''लघु-संविधान'' के रूप में भी जाना जाता है। इसके अलावा 18 दिसंबर, 1976 को ही इसी 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था। 18 दिसंबर, 1976 को ही तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इसे मंजूरी भी दे दी थी। इस संशोधन के माध्यम से, संसद को संविधान में संशोधन का अधिकार और व्यापक रूप से मिल गया। साथ ही अदालतों को इन संशोधनों की समीक्षा करने से भी रोक दिया गया। तब से इस संशोधन को भारत की राजनीति में एक विवादास्पद घटना के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसने आपातकाल के दौरान सरकार की शक्तियों को और मजबूत किया था। दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार की संस्तुति पर ही भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति शासन लगाया था। और यह 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक लगा रहा। इसकी कुल 21 महीने की अवधि थी। इंदिरा सरकार ने तब देश में आंतरिक और बाहरी खतरों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। अब देश के राजनीतिक इतिहास को बदल देने वाली इस घटना के 50 साल पूरे हो गए हैं। 50 साल वो समय होता है जब दो पीढ़ियां किसी देश के लोकतंत्र का अनुभव हासिल कर परिपक्व हो चुकीं होती हैं। ऐसे में देश इस तारीख को याद कर इसके सबक को आत्मसात कर रहा है। इंदिरा सरकार ने पांचवीं लोकसभा (1971-1977) का कार्यकाल दो बार एक-एक साल के लिए बढ़ाया था। पांचवीं लोकसभा का गठन 1971 के चुनावों के बाद हुआ था। पहली बार इसे 1976 में एक साल के लिए बढ़ाया गया था। और फिर दूसरी बार 1977 में भी एक साल के लिए बढ़ाया गया। वैसे दूसरी बार का विस्तार पूरा नहीं चल पाया और लोकसभा को 1977 में ही भंग भी कर दिया गया था। इस प्रकार पांचवीं लोकसभा का कार्यकाल कुल मिलाकर 21 महीने के लिए दो बार में बढ़ाया गया था।

सर्वाधिक महत्वपूर्ण है 42वां संशोधन

भारतीय संविधान में अब तक 106 संशोधन हुए हैं। संविधान में संशोधन की प्रक्रिया अनुच्छेद 368 में दी गई है। इसके के लिए संसद के दोनों सदनों में बहुमत की आवश्यकता होती है। संविधान के बहुचर्चित 42 वें संशोधन को दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में किया गया था। इस संशोधन को लघु संविधान भी कहा जाता है। इसने संविधान संशोधन में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए। इनमें सबसे महत्वपूर्ण था प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्दों को जोड़ना, मौलिक कर्तव्यों को शामिल करना, और केंद्र सरकार की शक्तियों को बढ़ाना शामिल है। इस संशोधन ने 42वें संशोधन के जरिए कुछ विवादास्पद प्रावधानों को पलट दिया गया। इस बदलाव ने आपातकाल की घोषणा के लिए संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटा दिया। संविधान का 42वां संशोधन आधिकारिक तौर पर संविधान अधिनियम, 1976 के रूप में जाना जाता है। यह संशोधन 1976 में आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। इसे इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सरकार द्वारा अधिनियमित किया गया था। यह भारतीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण, विवादास्पद संशोधनों में से एक भी माना जाता है। इस संशोधन ने संविधान में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए। श। इस संशोधन ने संविधान के भाग ऋ्छ-ए में मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा। इसी संशोधन के जरिए सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों की न्यायिक समीक्षा की शक्ति को कम करने का प्रयास किया गया। इसी के जरिए संसद और राज्यों की विधानसभाओं के कार्यकाल को 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष तक कर दिया गया। इसके जरिए सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के संगठन के साथ उनके क्षेत्राधिकार से संबंधित प्रावधानों में भी संशोधन किया गया।

संविधान से खिलवाड़ का आरोप है कांग्रेस पर

देश की सबसे पुरानी और आजादी की लड़ाई से जुड़ी कांग्रेस पार्टी पर आरोप है कि उसने कई मौकों पर संविधान की मूल भावना पर कुठाराघात किया है। बहुचर्चित शाहबानो केस में तब की दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने संविधान की व्यवस्थाओं के ऊपर शरिया कानून को रखते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए शाहबानो के गुजारा भत्ता के अधिकार को रद्द कर दिया था। इसके अलावा दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ही सरकार ने आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष व समाजवादी शब्द डाला था। कांग्रेस के समय में ही संविधान में संशोधन कर राष्ट्रपति के अधिकारों को कम किया गया था। उस संशोधन के पूर्व राष्ट्रपति को मंत्रिमंडल की सिफारिशों पर अपने विवेक पर निर्णय लेने का अधिकार था लेकिन एक संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति को मंत्रिमंडल की सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य कर दिया गया था। भारतीय राजनीति में इसे एक बड़ा बदलाव माना गया। इसके अलावा कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में ही 1991 में प्लेसेज ऑफ वरशिप एक्ट लाकर मंदिरों और मस्जिदों पर यथास्थिति के लिए 15 अगस्त 1947 की सीमा रेखा बना दी थी। फिलहाल यह कानून चर्चा और न्यायिक समीक्षा के दायरे में है। कांग्रेस की सरकार में ही वक्फ कानून में संशोधन करके उसे असीमित अधिकार दे दिए गए थे। इस विषय में कुछ काम दिवंगत प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के समय में और बाकी काम दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय में किया गया। वक्फ की इसी मनमानी को रोकने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने संसद से कानून पास कर बदलाव किया है। ये कानून भी इस समय सुप्रीम कोर्ट में है। इस पर सुनवाई पूरी हो गई है और फैसला सुरक्षित है।

संघ और भाजपा पर भी लगते रहे हैं आरोप

संघ और भाजपा पर भी लगातार आरोप लगते रहे हैं कि उसने संविधान को कभी नहीं माना। यह भी आरोप है कि संघ ने अपने कार्यालय में काफी दिनों तक तिरंगा झंडा नहीं लहराया। यही नहीं 2024 के आम चुनाव में भी पूरे विपक्ष ने भाजपा के खिलाफ यह नैरेटिव गढ़कर चुनाव लड़ा कि भाजपा 400 सीट पा जाएगी तो संविधान बदल देगी। और फिर उसके बाद चुनाव नहीं होंगे तथा दलितों, पिछड़ों और गरीबों के हक मार दिए जाएंगे। विपक्ष का यह नैरेटिव सफल भी हुआ और भाजपा 240 सीटों पर आकर सिमट गई थी। भाजपा की इस हार के लिए कुछ भाजपाइयों के बयान भी महत्वपूर्ण रहे, जिनमें कुछ छुटभैया नेताओं ने कहा था कि भाजपा को सरकार चलाने के लिए तो पर्याप्त सीट मिल ही जाएंगे किंतु कुछ बड़े काम करने हैं इसलिए 400 पार सीटें चाहिए। और भाजपाइयों की इसी बात को विपक्ष ने पकड़ लिया और संविधान हटाने का नैरेटिव गढ़कर भाजपा के खिलाफ मजबूत स्थिति बना ली।

पक्ष-विपक्ष के क्या हैं विचार

इस बाबत शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा है कि उस समय की सरकार को ये अधिकार था कि वह संविधान संशोधन करे, और उसने किया। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। इमरजेंसी लागू होने भर से सरकार के संवैधानिक अधिकार खत्म नहीं हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उस समय की जरूरत के हिसाब से उक्त संशोधन किए, इसमें कुछ भी ग़लत नहीं है। इस बारे में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है बीजेपी और आरएसएस को संविधान नहीं, मनुस्मृति से देश को चलाना है। उनका आरोप है कि बीजेपी की कोशिश है कि वह दलितों, गरीबों को गुलाम बनाकर रखे। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा और संघ के लोग नहीं चाहते हैं कि पिछड़े, दलित और गरीबों को उनका हक मिले। इसीलिए वे संविधान संशोधन की कोशिश में लगे हैं। उन्होंने कहा कि पर हम जब तक हैं, तब तक उन्हें ऐसा नहीं करने देंगे। लगभग यही बात कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने भी कही है। इस बाबत सपा के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी भाजपा और संघ की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इनका वश चले तो ये देश के संविधान को ही रद्द कर दें। अखिलेश यादव ने कहा कि जून 1975 में तो घोषित आपातकाल लागू किया गया था लेकिन इस समय तो भाजपा ने देश में अघोषित आपातकाल लागू किया हुआ है। लोगों के साथ जाति और धर्म के नाम पर भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा धर्म से धर्म और जाति से जाति को लड़ाकर नकारात्मक राजनीति करती है। जबकि बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो सुश्री मायावती ने कहा है कि अगर संविधान से छेड़छाड़ की कोशिश होगी तो हम उसका विरोध करेंगे। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपने मन की बात कार्यक्रम में इस मुद्दे पर कहना है कि इमरजेंसी के दौरान देश में संविधान की हत्या हुई। इस दौरान लोगों को प्रताड़ित किया गया। उन्होंने पूछा कि कल्पना कीजिए कि वो दौर कैसा रहा होगा। लेकिन आपातकाल में देश की जनता ना झुकी, ना टूटी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि संविधान को जेब में रखकर घूमने वाले लोगों ने इसका सर्वाधिक नुकसान किया है। भारत के संविधान की मूल भावना को नष्ट करने का काम ऐसे ही लोगों ने किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि होसबोले जी ने जो कहा है, वह 200 परसेंट ठीक है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी कहा है कि संविधान का अपमान करने वाले लोग संविधान की बात न करें तो ही बेहतर है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान से बहुत छेड़छाड़ किया है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में तो कांग्रेस ने संविधान की बुनियाद ही हिला दी। इस बाबत केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ये देश कभी भी धर्म निरपेक्ष नहीं हो सकता है। प्रस्तावना में इस शब्द को डालकर बाबा साहेब की सोच पर सवाल उठाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय का कहना है कि 25 जून 1975 को आपातकाल घोषित किया गया। 15 मार्च 1976 को लोकसभा कार्यकाल खत्म हो गया और 2 नवंबर 1976 को संविधान में सेक्युलर जोड़ दिया। उनका कहना है कि जब लोकसभा का कार्यकाल ही खत्म हो गया तो संविधान संशोधन के लिए वोट किसने दिया। उन्होंने कहा कि यदि आपातकाल गलत है तो 42वां संविधान संशोधन सही कैसे हो गया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव
प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह
समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'
स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग
सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)
डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)
स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन
समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी
साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)
आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र
सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)
सह संपादक
मेजर. के. किशोर
सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)
उप सम्पादक
प्रभात वर्मा
स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

बीएचयू चिकित्सा विज्ञान संस्थान की वीआरडी प्रयोगशाला को मिली एनएबीएल मान्यता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस) स्थित वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) को बड़ी उपलब्धि मिली है। वीआरडीएल को नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) ने मेडिकल लेबोरेटरी के लिए आईएसओ 15189:2012 मानकों के तहत एनएबीएल मान्यता प्रदान की है। यह प्रतिष्ठित मान्यता प्रयोगशाला की गुणवत्ता, सटीकता और नैदानिक सेवाओं तथा अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए मिली है। वीआरडीएल ने वायरल रोगों की निगरानी और निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी जैसे महत्वपूर्ण समय में। शनिवार को वीआरडीएल के प्रधान अन्वेषक प्रो. गोपाल नाथ ने बताया कि कोविड 19 महामारी के दौरान लेबोरेटरी ने तकरीबन नौ लाख जांच की। पिछले डेढ़ वर्ष में वीआरडीएल ने डेंगू, कोविड, व जापानी एन्सेफ़ेलाइटिस इत्यादि के 8000 के लगभग परीक्षण किये है। उन्होंने वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी की इस शानदार उपलब्धि के लिए प्रो. प्रद्योत प्रकाश, सह-प्रधान अन्वेषक, के साथ-साथ पूरी वैज्ञानिक और तकनीकी टीम के समर्पित प्रयासों को श्रेय दिया। इस टीम में डॉ. सुधीर कुमार सिंह, डॉ. अलका शुक्ला, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. मयंक गंगवार, दीपक कुमार, सोनम रस्तोगी, दिग्विजय सिंह, पंकज कुमार, आशीष आर. सिंह, और अजय कुमार शामिल है। उन्होंने बताया कि एनएबीएल मान्यता आईएमएस-बीएचयू की प्रयोगशाला निदान और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने की अटूट प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में की गयी जांच पूरे विश्व में स्वीकार की जाती है। इस उपलब्धि पर बीएचयू चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एस.एन. शंखवार ने सदस्यों को शुभकामनाएं दी है। प्रो.शंखवार ने कहा कि जन स्वास्थ्य की आवश्यकताओ व अपेक्षाओं को पूर्ण करने की दिशा में यह प्रयोगशाला निरन्तर उन्नयन करते हुए आगे बढ़ रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को जयंती पर याद किया

बिजनौर। सामाजिक न्याय के योद्धा, पद्म भूषण से सम्मानित, लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलासपासवान की जयंती नगर की वाल्मीकि बस्ती स्थित धर्मशाला में शनिवार को मनाई गई। इस अवसर पर स्व. रामविलास पासवान को स्मरण करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पार्टी के जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान दलित, शोषित और सर्वहारा वर्ग की लड़ाई आयु पर्यंत लड़ते रहे। आज उनकी जयंती पर हम संकल्प लें कि हम उनके द्वारा शुरू किए गए कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान अपनी युवावस्था से ही एक जुझारू तथा ज़मीन से जुड़े नेता रहे। उन्होंने पूरे राजनीतिक जीवन में सदैव वंचितों और शोषितों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। बिजनौर से उनका गहरा नाता रहा। उनके द्वारा जलाई हुई मशाल को हमें आगे ले जाना है और वंचितों और शोषितों को उनका अधिकार दिलाने में तन, मन से काम करना है। जिला महासचिव यादराम सिंह ने स्वर्गीय पासवान द्वारा बिजनौर में लड़े गए चुनाव को याद किया और उनकी विचारधारा पर चलते हुए पार्टी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भ्रष्टाचार विरोधी एवं प्रगतिशील मंच के अध्यक्ष के के रंजन ने भी दिवंगत नेता की जयंती पर उन्हें पुष्प अर्पित किए और उनके कार्यों का स्मरण किया।

छत्तीसगढ़ सम्पर्क क्रांति में बम की सूचना से मचा हड़कम्प

- यात्रियों ने करीब 400 किमी तक की दहशत में यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। हजरत निज़ामुद्दीन से दुर्ग जा रही छत्तीसगढ़ सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस (12824) में बम की खबर पर सनसनी फैल गई। ट्रेन के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर पहुंचने पर सभी कोच को खाली करवा कर लगभग एक घंटा आरपीएफ, जीआरपी, बम निरोधक दस्ता, डाग स्क्वायड द्वारा छानबीन की गई। जब बम नहीं मिला तब जाकर राहत की सांस ली गई और ट्रेन को रवाना किया गया। इस घटनाक्रम ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि सूचना दिल्ली से चलने के बाद दी गई थी, किंतु दिल्ली से झांसी के बीच कई बड़े स्टेशन होने के बाबजूद भी ट्रेन को कहीं भी रोककर चेक नहीं किया गया। करीब 400 किमी तक लोगों ने मौत की दहशत में यात्रा की। दरअसल, हजरत निजामुद्दीन से चलकर दुर्ग जाने वाली छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (12824) हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से शुक्रवार सायं 5.55 बजे रवाना हुई। ट्रेन चलने के लगभग 10 मिनट बाद रेल मदद पर सूचना दी गई कि ट्रेन के स्लीपर कोच में बम है। सूचना देने वाले ने खुद को रेल उपयोगकर्ता बताया था। लेकिन जब तक सूचना मिली ट्रेन अपना स्टेशन छोड़ चुकी थी। इसके बाद अगला स्टॉपेज 400 किमी दूर वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन था, किंतु रेल मशीनरी की लापरवाही के चलते ट्रेन को फरीदाबाद, मथुरा, आगरा, धौलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े स्टेशन पर रोक कर चेकिंग की जरूरत महसूस नहीं की गई और सर्च के लिए 400 किलोमीटर दूर ट्रेन का अगला स्टॉपेज वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन तय किया गया। झांसी में सुरक्षा मशीनरी सतर्क हो गई और ट्रेन आने से पहले सुरक्षा बलों ने प्लेटफॉर्म नंबर दो को खाली करवा कर छावनी में तब्दील कर दिया। छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस जैसे ही अपने निर्धारित समय से 9 मिनट की देरी से रात 11.31 बजे प्लेटफॉर्म पर पहुंची तो यहां पहले से मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट प्रमोद झा, एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार, आरपीएफ कमांडेंट विवेकानंद नारायण और स्टेशन डायरेक्टर सीमा तिवारी ने जिले की पुलिस, जीआरपी, आरपीएफ, डॉग स्क्वायड और बम निरोधी दस्ते के साथ कार्रवाई शुरू कर दी। ट्रेन के सभी कोच लगेज सहित तुरंत खाली कराए गए।